जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 264 प्रभात उदयपुर, रविवार 27 जुलाई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल ने प्रणीति शिंदे, इमरान प्रतापगढ़ी व कुणाल चौधरी को बिहार की स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य बनाया

पर क्या युवा, उत्साही और विश्वासपात्र होना ही पर्याप्त है, यह निर्णय लेने के लिए कौन उपयुक्त है, चुनाव लड़ने के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। एक तरफ विपक्ष आरोप लगा रहा है कि बिहार में भाजपा व एनडीए गठबंधन को लाभ पहुँचाने के लिए लगभग 70 लाख वोटरों को वोट देने के अधिकार से वंचित किया गया है। वहीं, आरजेडी के तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को सुझाव दिया है कि वे इंडिया गठबंधन के नेताओं से बात करके बिहार चुनाव का बहिष्कार करने पर गंभीरता से विचार करें। लेकिन कांग्रेस ने बिहार चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करने वाली स्क्रीनिंग कमेटी की घोषणा कर दी है। अजय माकन को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी के बाकी तीन सदस्य युवा और राजनीतिक रूप से अनुभवहीन हैं, जो राहुल गांधी के नई कांग्रेस बनाने के मिशन से जुड़े हैं।

अजय माकन को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है और वे इस समय एआईसीसी के कोषाध्यक्ष भी हैं।

- पर, अगर स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष पुराने अजमाये हुए नेता होते तो नये युवा सदस्यों की अनुभवहीनता "शायद" कवरअप हो जाती।
- लेकिन, स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन नियुक्त किये गये हैं। अजय माकन इससे पहले हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा इन राज्यों में कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव हारी थी। माकन राजस्थान के प्रभारी महासचिव थे तब भी कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा था।
- इसी तरह प्रशांत किशोर की टीम के पुराने सदस्य कानूनगोलो को भी राहुल ने तोड़कर कांग्रेस में शामिल करवाया है। वे कई राज्यों में सर्वे कर रहे थे, पार्टी के लिए और उन सर्वे के आधार पर टिकट बांटे गये थे तथा कांग्रेस इन सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव हारी थी। अब, कानूनगोलो बिहार में सर्वे कर रहे हैं।
- ऐसे में बिहार के विधानसभा चुनावों में पार्टी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करना कितना उचित है।

ये भी ध्यान देने वाली बात है कि राहुल गांधी ने हाल के समय में कई राज्यों की स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन को ही बनाया है।

दिलचस्प बात यह है कि जिन-जिन राज्यों में अजय माकन को यह ज़िम्मेदारी दी गई, वहां कांग्रेस चुनाव हार गई।

इन राज्यों में हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ शामिल हैं, और उससे पहले वे राजस्थान के प्रभारी महासचिव भी थे।

कांग्रेस इन सभी राज्यों में हारी, लेकिन इसके बावजूद अविचलित राहुल गांधी ने माकन पर भरोसा बनाए रखा।

वैसे, ये भी संयोग ही है कि माकन खुद हरियाणा से राज्यसभा का चुनाव हार गए थे, लेकिन बाद में उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा सांसद बना दिया गया।

एक और दिलचस्प बात यह है कि कानुगोलू नाम के शख्स ने कई राज्यों में सर्वे किए, जिनके आधार पर टिकट बांटे गए, लेकिन पार्टी वहां हार गई। अब वे बिहार में सर्वे कर रहे हैं।

कानुगोलू पहले प्रशांत किशोर के साथ काम करते थे, लेकिन राहुल गांधी उनसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें प्रशान्त किशोर का साथ छोड़कर, कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज "हरियाली तीज" पर वन महोत्सव का शुभारंभ करेंगे

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। पिछले वर्ष हरियाली तीज पर एक दिन में 2 करोड़ पौधे लगाए गए थे, इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी क्रम में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 जुलाई (रविवार) हरियाली तीज के पावन अवसर पर 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। जयपुर के मदाऊ ग्राम

- हरियाली तीज के अवसर पर राज्य में एक दिन में ढाई करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

(भांकरोटा) स्थित जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण कर "मातृ वन" की स्थापना करेंगे। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से बीजारोपण भी किया जायेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा सीकर जिले के ग्राम मंडावरा (धोद) में वृक्षारोपण एवं वन महोत्सव कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों में जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। हरियाली तीज के अवसर पर राज्य में एक दिन में 2 करोड़ 50 लाख पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

हजार साल पहले जन्मे चोल सम्राट राजेन्द्र पर भाजपा व डी.एम. के बीच राजनीतिक द्वंद्व छिड़ा

भाजपा राजेन्द्र चोल को प्री.इस्लामिक भव्य सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बताकर, राजनीतिक लाभ लेना चाहती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। लगभग 1000 वर्ष पूर्व के एक सम्राट आज भाजपा और डीएमके (द्रमुक) के बीच राजनीतिक खींचतान का मुद्दा बन गए हैं।

रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु के अरियालूर ज़िले स्थित गंगईकोंडा चोलपुरम का दौरा करेंगे, जो कभी चोल साम्राज्य की राजधानी था। वहाँ वे राजेन्द्र चोल की उत्तरी क्षेत्रों पर प्राप्त विजय की स्मृति में एक सिक्का जारी करेंगे और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय ने चोल सम्राट की दक्षिण-पूर्व एशिया में समुद्री अभियान की 1000वीं वर्षगांठ और गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण के शुभारम्भ को याद करते हुए, चार दिवसीय उत्सव की घोषणा की है। संगीतकार इलैयाराजा इस समारोह में 20 मिनट का एक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे, जबकि एक प्रदर्शनी में चोल काल की कलाकृतियां और लघु मूर्तियाँ प्रदर्शित की जाएंगी। ब्रिटिश

- दूसरी ओर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, उसे द्रविड़ संस्कृति गौरव का उदाहरण बताकर, कई आयोजन, प्रदर्शनियाँ, संगीत उत्सव, प्लान कर रही है।
- प्र.मंत्री मोदी भी तमिलनाडु के अरिपालू जिले के शहर गंगाईकोण्डा चोलापुरम, जो चोल साम्राज्य की राजधानी थी, जायेंगे और सिक्का जारी करेंगे तथा चार दिन के उत्सव का शुभारंभ करेंगे।
- चोल साम्राज्य की सामुद्रिक सत्ता, मलेशिया, इंडोनेशिया व थाईलैण्ड तक फैली हुई थी तथा राजेन्द्र चोल ने उत्तर भारत में कई अभियानों का नेतृत्व किया था।

इतिहासकारों ने इस नगर की तुलना प्राचीन बेबीलोन से की थी, और अब इसे सजाया जा रहा है।

इसी के साथ, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सम्राट की जयंती को राज्य स्तर पर आधिकारिक उत्सव घोषित किया है और चोल साम्राज्य के समुद्री व्यापारिक नेटवर्क, मंदिर वास्तुकला और सांस्कृतिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने हेतु 22 करोड़ की लागत से एक संग्रहालय के निर्माण की योजना सहित कई कार्यक्रमों की घोषणा की है।

यह खींचतान दरअसल भारत के इस इतिहास को दो भिन्न वैचारिक दृष्टिकोणों से गढ़ने के प्रयासों को दर्शाती है: स्टालिन का द्रविडीय संघवाद बनाम मोदी का अखिल भारतीय राष्ट्रवाद। जहाँ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राजेन्द्र चोल की विरासत को द्रविडीय गौरव से जोड़ते हुए क्षेत्रीय पहचान को मज़बूत करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं, प्रधानमंत्री मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर पोर्ट व मुख्यमंत्री कार्यालय बम से उड़ाने के ई-मेल ने हड़कंप मचाया

जयपुर, 26 जुलाई। राजधानी जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एयरपोर्ट प्रशासन और राजस्थान मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इस ई-मेल में जयपुर एयरपोर्ट और सीएमओ को विस्फोटकों से उड़ाने की बात लिखी थी। इसके बाद पुलिस

- दो घंटे के सघन सर्च अभियान में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

प्रशासन हरकत में आया। फौरन सीएम ऑफिस के साथ ही एयरपोर्ट पर चेकिंग शुरू की गई। दो घंटे तक सर्च कार्यवाही चली, पर कुछ नहीं मिला।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित शर्मा ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही अशोक नगर थाना पुलिस, एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड, एसडीआरएफ, डॉग स्क्वॉड का दस्ता और एंटी बम स्क्वॉड सचिवालय पहुंचा और मुख्यमंत्री कार्यालय के चप्पे चप्पे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में सरकार ने चुनाव से पूर्व पत्रकारों की पेंशन ढाई गुनी की

बिहार में पत्रकारों को 6,000 रूपए मासिक पेंशन मिलती थी, जो अब बढ़कर 15,000 रूपए हो गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत पत्रकारों की पेंशन बढ़ा दी है।

अब बिहार में सेवानिवृत्त पत्रकारों को 15,000 प्रति माह पेंशन मिलेगी, जो देश में सर्वाधिक है। पहले बिहार के पत्रकारों को 6000 प्रतिमाह पेंशन मिलती थी।

मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में यह भी घोषणा की कि पत्रकारों की आश्रित पत्नी/पति को अब जीवनभर 10,000 प्रति माह पेंशन मिलेगी, जो पहले 3,000 प्रति माह थी।

- इस घोषणा के बाद बिहार में पत्रकारों को देश में सर्वाधिक पेंशन मिलेगी।
- नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि पत्रकार के आश्रित पति या पत्नी को अब 3,000 रूपए के बजाय आजीवन दस हजार रूपए मासिक पेंशन मिलेगी।

उन्होंने लोकतंत्र में पत्रकारों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू के पुत्र तेज प्रताप निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे

पटना, 26 जुलाई। बिहार चुनाव से पहले तेज प्रताप यादव ने बड़ा ऐलान किया है। आपको बता दें कि तमाम कयासों को किनारे करते हुए तेज प्रताप ने अब साफ कर दिया है कि वह महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि वे निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

तेज प्रताप यादव ने कहा कि उन्होंने टीम तेज प्रताप बनायी है, जो उनसे जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का प्लेट फॉर्म है। इसके जरिये वे सोशल मीडिया

- तेज प्रताप ने महुआ सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की।

से लोगों से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा, इसे रोज की मेरी एक्टिविटी को, जन-जन तक पहुंचाने के लिए बनाया है। उन्होंने कहा कि टीम तेजप्रताप यादव की तरफ से लोगों को चुनाव लड़वाया जायेगा। उनकी टीम चुनाव लड़ने वाले युवाओं को सपोर्ट करेगी। इस बीच तेज प्रताप यादव ने टोपी का रंग भी बदल दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार चाचा सीएम नहीं बन पाएंगे।

तेजप्रताप यादव आज पहली बार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या हाई कोर्ट के दो जजों के खिलाफ एक साथ "इम्पीचमैंट" शुरु होगा संसद में?

भाजपा, जस्टिस वर्मा और विपक्ष जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ शुरू की गई महाभियोग की कार्यवाही ने लोकसभा में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी इंडिया गठबंधन के बीच टकराव का नया दौर शुरू कर दिया है, जिससे संसद के वर्तमान मानसून सत्र के पूरी तरह ठप होने की आशंका बढ़ गई है।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय राज्यसभा में पिछले सप्ताह हुए एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद हुआ, जब उपराष्ट्रपति और सभापति जगदीप धनखड़ ने अप्रत्याशित रूप से विपक्ष द्वारा समर्थित एक प्रस्ताव को पेश करने की अनुमति दे दी। यह प्रस्ताव दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास से भारी मात्रा में बेहिसाब अधजली नकदी मिलने, और उनके बचाव के विवादास्पद प्रयास को लेकर

- इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर यादव पर कथित रूप से विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में "सांप्रदायिक व अमर्यादित" टिप्पणी करने का आरोप है। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट से फटकार भी पड़ी थी।
- विधि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हाई कोर्ट के दो न्यायाधीशों के खिलाफ एक साथ महाभियोग प्रस्ताव, एक सत्ता पक्ष द्वारा दूसरा विपक्ष द्वारा, लाने से संसद में भारी गतिरोध पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया और यादव के खिलाफ नहीं तो सरकार पर पक्षपात का आरोप लग सकता है।
- सूत्रों से पता चला है कि मोदी सरकार गतिरोध की संभावना से निपटने के लिए विपक्षी दलों से "बैक चैनल" वार्ताएं कर रही है।

था, जिसने एक हाई-प्रोफाइल मामले को जन्म दे दिया। नकदी से जुड़े आरोपों से जस्टिस वर्मा के इनकार के बाद, विपक्ष और सरकार, दोनों के पास तत्काल महाभियोग प्रस्ताव लाने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचा।

यह घटनाक्रम सरकार के लिए चौंकाने वाला रहा और उसे संसद में इस संवेदनशील मुद्दे को संभालने के लिए रणनीति पर पुनर्विचार को मजबूर होना पड़ा।

सरकार के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, इंडिया गठबंधन ने भाजपा पर न्यायपालिका को डराने और संवैधानिक व्यवस्थाओं का राजनीतिक हितों के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

साथ ही, विपक्ष ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ भी प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। न्यायमूर्ति यादव ने इस महीने की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय को लेकर कथित रूप से "सांप्रदायिक और अमर्यादित" टिप्पणी की थी, जिसे लेकर भारी विरोध हुआ। इस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हमारे बहादुर जवानों की कुर्बानी प्रेरणा देती रहेगी- प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कारगिल विजय दिवस के पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1999 के कारगिल युद्ध में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को आज श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने इस दिन को भारत के उन वीरों के अद्वितीय साहस और अदम्य साहस की याद दिलाने वाला बताया जिन्होंने सर्वोच्च चोटियों पर राष्ट्र के

- उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सम्मान की रक्षा की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखें एक पोस्ट में कहा, कारगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह अवसर हमें भारत माता के उन वीर सपूतों के अद्वितीय साहस और पराक्रम की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गमगीन माहौल में पिपलोदी में 6 बच्चों का अंतिम संस्कार हुआ

सहमति बनने के बाद शुक्रवार शाम पोस्टमार्टम के बाद सभी शव मोर्चरी में रखे गये

झालावाड़, 26 जुलाई (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र के पिपलोदी गांव के स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चे रोजाना की तरह शुक्रवार को भी अपने घरों से स्कूल ड्रैस पहन कर तैयार होकर स्कूल के लिए रवाना हुए थे, लेकिन वक्त का न तो घर वालों को पता था और न ही हादसे में मौत का शिकार हुए उन सात मासूमों को, कि यही स्कूल की ड्रैस उनका अंतिम परिधान होगी और इसी स्कूल ड्रैस में के अपना अंतिम सफर करेंगे।

पीपलोदी स्कूल हादसे में मौत का शिकार हुए सात बच्चों का 24 घंटे पश्चात अंतिम संस्कार कर दिया गया। पीपलोदी गांव निवासी 6 बच्चों का पीपलोदी गांव में, जबकि एक बच्चे का पास के गांव चांदखेड़ी भीलान में अंतिम संस्कार किया गया। शुक्रवार सुबह हुए हादसे में स्कूल की बिल्डिंग में दब कर जान गँवाने वाले सभी बच्चों के शव शुक्रवार शाम को पोस्टमार्टम की सहमति बनने के पश्चात, पोस्टमार्टम करवा कर मनोहर थाना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोर्चरी में रखवा दिए गए थे।

बच्चों के परिजनों द्वारा शनिवार सुबह अंतिम संस्कार किए जाने की बात कहने के पश्चात प्रशासन द्वारा बच्चों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था, जहां से शनिवार सुबह 5 से 5.30 बजे के बीच सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए तथा अलग-अलग गाड़ियों से सभी शवों को बच्चों के गांव

- सातवें बच्चे का अंतिम संस्कार चांदखेड़ी भीलान गाँव में किया गया।

भिजवाया गया। सुबह लगभग 7.30 बजे तक सभी शवों को अंत्येष्टि के लिए शमशान तक पहुंचा दिया गया था। पीपलोदी गांव में 5 शवों का अंतिम संस्कार एक ही स्थान पर किया गया, जिनमें दो सगे बहन भाई भी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, एक अन्य बालिका पायल का अंतिम संस्कार स्कूल भवन के निकट की भूमि पर किया गया।

स्कूल हादसे में मरने वाले सभी बच्चों के शवों को जैसे ही पीपलोदी लाया गया तो पूरे गांव में कोहराम मच गया। पूरे गांव में महिलाओं के विलाप की आवाज गूंजने लगी, खास तौर पर मरने वाले बच्चों के घर की महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल था।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं झालावाड़ विधायक वसुंधरा राजे पहले पीपलोदी गांव पहुंची, उसके पश्चात चांदपुरा भीलान में जाकर भी शोक प्रकट किया। राजे प्रत्येक मृतक बच्चे के घर पर गयीं और बच्चों के परिजनों को सांत्वना दी तथा हर संभव मदद का भी वादा किया। वसुंधरा राजे ने कहा कि मैं भी एक माँ हूँ, ये हादसा माता-पिता और बच्चों के सपनों का अंत है। चांदखेड़ी भीलान में उन्होंने भरे मन से कहा कि यह ऐसी घटना है जिसने मुझे अंदर तक हिला दिया है। राजे के साथ उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, एसपी अमित कुमार भी मौजूद रहे।

झालावाड़ में पिपलोदी के सरकारी स्कूल की बिल्डिंग के नीचे दबकर जान गंवाने वाले सातों बच्चों के परिवार वालों को 10 लाख रुपए और संविदा पर नौकरी मिलेगी। साथ ही नए स्कूल भवन में बनने वाले कक्षों के नाम मृतक बच्चों के नाम पर रखे जायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पीड़ित परिवारों को सहायता राशि के चैक और संविदा पर नौकरी के जॉइनिंग लैटर सौंपे।

राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार के मंत्री प्रमोद जैन भाया भी झालावाड़ अस्पताल और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

17 सांसदों को मिला संसद रत्न सम्मान

नई दिल्ली, 26 जुलाई। लोकसभा में बेहतर काम करने पर 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा, चार सांसदों को विशेष जूरी पुरस्कार दिया।

संसद रत्न पुरस्कार पाने वालों में गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन,

- 17 सांसदों में भाजपा के रवि किशन, निशिकांत दुबे, एनसीपी की सुप्रिया सुले प्रमुख हैं।

एनसीपी शरद की सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत सहित 17 सांसद शामिल हैं।

वहीं, तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में निरंतर योगदान देने वाले चार सांसदों को चार विशेष जूरी पुरस्कार दिए गए। इनमें ओडिशा से भाजपा सांसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

क्रोध यमराज है। –चाणक्य

आयुर्वेद का रोचक इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से कम 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्राय: 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध हैं, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझा। इस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पडा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं:– वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुडा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारी के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटने का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता लगी रहती है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विश्व में जैसे-जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ऋग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ऋग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धति का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार में देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये। दैवव्यपाश्रय चिकित्सा का यह श्रेष्ठ काल रहा है।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पडाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलत: अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अत: स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियां वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास की यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पडाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारी योग जुड गये। हालांकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि की बजाय बहुत औषधियां योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्त्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ (दैवव्यपाश्रयचिकित्सा) आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राम्हणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यों ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यर्थाततः युक्ति-व्यापाश्रय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसन) में बदल गई। इस प्रकार अंतत: आयुर्वेद पूर्णत: वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वांग्मय मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलत: कायचिकित्सा से संबंधित ग्रन्थ है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलत: शल्यचिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखा कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने बिलकुल नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में प्रथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आप यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेष अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बडी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनतंत्र एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं काय-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोत्तर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोत्तर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों की प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पादपों को पहचाना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ग्रंथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित भरोसा किया। साथ ही, स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रुग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढती विशेषज्ञता भी बडी रोचक है। चरक संहिता में यद्यपि आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केन्द्रित रही। काश्यप संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धति में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानी नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपस डेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2025 के दौरान प्रकाशित कुल 65,508 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 16,146 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम 15 लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

उच्च शिक्षा संस्थानों, विशेषकर विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति में देरी क्यों?

अशोक शर्मा

उच्च शिक्षा संस्थानों, विशेषकर विश्वविद्यालयों में, शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति में देरी एक गंभीर और बहुआयामी समस्या है। इसमें कई बार कुलपतियों द्वारा जानबूझकर की जाने वाली देरी की भी भूमिका होती है। यह सिर्फ प्रशासनिक अक्षमता का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई जटिल कारण हो सकते हैं:

जानबूझकर देरी के संभावित कारण

कुलपतियों द्वारा पदोन्नति में जानबूझकर देरी करने के कुछ मुख्य कारण ये हो सकते हैं:–

राजनीतिक हस्तक्षेप और पक्षपात:–

चहेतों को लाभ: कुलपति कई बार अपने राजनीतिक आकाओं या व्यक्तिगत चहेतों को समायोजित करने के लिए नियुक्तियों या पदोन्नति को रोक सकते हैं, ताकि उनके पसंदीदा उम्मीदवारों के लिए रास्ता बनाया जा सके।

सत्ता का दुरुपयोग: कुलपति अपनी स्थिति का दुरुपयोग करके उन शिक्षकों को पदोन्नति से वंचित कर सकते हैं जिनसे उनके व्यक्तिगत या राजनीतिक मतभेद हों। नियंत्रण बनाए रखना: कुछ कुलपति देरी करके या नियमों को तोड़-मरोड़ कर शिक्षकों पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं।

आर्थिक और वित्तीय दबाव:–

वित्तीय लाभ: कुछ मामलों में, देरी करके या पदोन्नति को रोककर वित्तीय लाभ कमाने की कोशिश की जा सकती है, जैसे किसी विशेष सलाहकार या बाहरी व्यक्ति को भुगतान करना।

बजट की कमी: विश्वविद्यालय के पास पर्याप्त बजट न होने पर भी कुलपति पदोन्नति को टाल सकते हैं, ताकि वेतन वृद्धि के अतिरिक्त बोझ से बचा जा सके। यह जानबूझकर न होकर मजबूरी का नतीजा हो सकता है, लेकिन इसका परिणाम देरी ही होता है।

प्रशासनिक जटिलताएं और अक्षमता (जो जानबूझकर भी हो सकती है):–

अधिकारों का केंद्रीकरण: कई बार कुलपति सभी निर्णय अपने हाथ में रखना चाहते हैं, जिससे प्रक्रियाएं धीमी हो जाती हैं।

जटिल प्रक्रियाएं: पदोन्नति की प्रक्रियाएं इतनी लंबी और जटिल होती हैं कि जानबूझकर देरी करने के लिए उनमें आसानी से (कमजोरियाँ) मिल जाती हैं।

निर्णय लेने में अनिच्छा: विवादास्पद मामलों या कानूनी उलझनों से बचने के लिए भी कुछ कुलपति निर्णय लेने में देरी करते हैं।

कार्यकाल का प्रभाव:

कार्यकाल के अंत में: जब कुलपति का कार्यकाल समाप्त होने वाला होता है, तो वे बड़े निर्णय लेने से बच सकते हैं, या फिर केवल उन नियुक्तियों और पदोन्नति पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जो उनके लिए फायदेमंद हों।

देरी के व्यापक कारण (जानबूझकर के अलावा)

कुलपतियों की भूमिका के अलावा, शिक्षकों की पदोन्नति में देरी के कई अन्य संस्थागत और संरचनात्मक कारण भी हैं:–

सरकारी और नियामक बाधाएं:–

नोडल एजेंसियों का हस्तक्षेप: उच्च शिक्षा के लिए कई नोडल एजेंसियां (जैसे– शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारें) होती हैं, जिनके बीच समन्वय की कमी और (अतिव्यापी) जिम्मेदारियां देरी का कारण बनती हैं।

नियमों में अस्पष्टता: पदोन्नित के नियमों और दिशानिर्देशों में अस्पष्टता या बार-बार बदलाव से भी प्रक्रियाएं बाधित होती हैं।

खाली पद: केंद्रीय विश्वविद्यालयों में हजारों और राज्य विश्वविद्यालयों में 40 प्रतिशत से अधिक शिक्षण पद खाली हैं। खाली पदों को भरने की प्रक्रिया ही इतनी धीमी होती है कि पदोन्नति के अवसर भी कम हो जाते हैं।

कानूनी मुकदमेबाजी:

न्यायालयीन हस्तक्षेप: नियुक्तियों या पदोन्नति से संबंधित विवादों के कारण कई बार मामले न्यायालयों में चले जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया रुक जाती है। आरक्षण नीतियों, पात्रता मानदंडों या चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर अक्सर मुकदमे दायर होते हैं।

प्रशासनिक अक्षमता और भ्रष्टाचार:–

लंबित फाइलें: विश्वविद्यालयों के अंदर फाइलों का लंबित रहना, नौकरशाही की सुस्ती, और नियुक्तियों एवं पदोन्नति समितियों की निष्क्रियता आम समस्याएं हैं।

पारदर्शिता की कमी: चयन और पदोन्नति प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी भी देरी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है।

संसाधनों की कमी:–

वित्तीय बाधाएं: कई विश्वविद्यालयों को वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे वे नए पद सृजित करने या पदोन्नत शिक्षकों को बढ़ा हुआ वेतन देने में असमर्थ होते हैं।

बुनियादी ढांचे का अभाव: अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और डिजिटल संसाधनों की कमी भी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को धीमा करती है।

देरी का प्रभाव : शिक्षकों की पदोन्नति में देरी के गंभीर परिणाम होते हैं:–

शिक्षा की गुणवत्ता पर असर: योग्य शिक्षकों की कमी और मौजूदा शिक्षकों पर काम का बोझ बढ़ने से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

अनुसंधान में कमी: शिक्षकों को पदोन्नति के लिए प्रोत्साहन न मिलने से वे अनुसंधान और उच्च स्तरीय शैक्षणिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते।

नैतिक पतन: पदोन्नति में अनिश्चितता और देरी से शिक्षकों में निराशा, नैतिक पतन और प्रेरणा की कमी आती है।

विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली: फैकल्टी की कमी से कक्षाओं में भीड़भाड़, अकादमिक कैलेंडर में देरी और समग्र रूप से विश्वविद्यालय का कामकाज बाधित होता है।

प्रतिभा पलायन: योग्य शिक्षक बेहतर अवसरों की तलाश में अन्य संस्थानों या देशों का रुख कर सकते हैं।

समाधान के प्रयास और चुनौतियाँ

सरकार और ने इस समस्या के समाधान के लिए कुछ कदम उठाए हैं, जैसे:–

ड्राफ्ट रेगुलेशंस 2025: नई शिक्षा नीति 2020 के तहत भर्ती और पदोन्नति प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, लचीलापन लाने और चयन मानदंडों को अधिक समग्र बनाने का प्रस्ताव है। हालांकि, कुछ आलोचकों का मानना है कि ये नियम संविदाकरण को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे शिक्षकों की नौकरी की सुरक्षा प्रभावित होगी।

पारदर्शिता बढ़ाना: कई जगहों पर ऑनलाइन आवेदन और चयन प्रक्रियाओं को अपनाने की बात हो रही है। हालांकि, इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सुधार, पारदर्शिता में वृद्धि और पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है। केवल तभी विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की समय पर नियुक्ति और पदोन्नति सुनिश्चित की जा सकेगी।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

पावटा उपखंड क्षेत्र में संचालित सीबीईओ कार्यालय व कई सरकारी स्कूल जर्जर अवस्था में

बारिश में छत से पानी टपकता रहता है, दीवारों में दरारें है, ऐसे में जान जोखिम में डालकर बच्चे पढ़ाई करने को विवश हैं

पावटा, (निसं)। पिपलोदी गांव, झालावाड़ में राजकीय विद्यालय की छत ढहने की हृदयविदारक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह दुखद हादसा न केवल एक स्थानीय त्रासदी है, बल्कि यह सरकारी विद्यालयों की जर्जर और असुरक्षित स्थिति को उजागर करने वाला एक गंभीर संकेत भी है। इस घटना ने उन लाखों बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं, जो रोज़ाना इन खस्ताहाल भवनों में पढ़ने-पढ़ाने के लिए मजबूर हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र में संचालित सरकारी स्कूलों की स्थिति भगवान भरोसे है। पावटा सीबीईओ कार्यालय सहित विद्यालयों के भवन जर्जर हो चुके हैं। बारिश में छत से पानी टपकता रहता है, दीवारों में दरारें है। ऐसे में जान हथेली पर रखकर बच्चे पढ़ाई करने को विवश हैं।

उपखंड पावटा क्षेत्र में संचालित कई सरकारी स्कूलों में छतें जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुकी है।

- उपखंड पावटा क्षेत्र के स्कूलों में कुछ को छोड़कर बाकी लगभग सभी संसाधनों का अभाव झेल रहे हैं

उपखंड पावटा क्षेत्र के कई सरकारी स्कूल वर्षों पुराने हैं। रख-रखाव के अभाव में इन स्कूलों के भवन व छत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच गए हैं। इससे इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जान जोखिम में रखकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र के स्कूलों में कुछ को छोड़कर बाकी लगभग सभी संसाधनों का अभाव झेल रहे हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र के आठ महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, 20 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं पावटा सी बी ई ओ कार्यालय सहित 38 राजकीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कमरों की दीवारों पर दरार पड़ गई है। कई के छत क्षतिग्रस्त हैं जिससे कमरों में बारिश का पानी टपकता है। विवशता में बच्चे जर्जर भवन में पढ़ने को विवश है। विद्यालयों में कमरों, बरामदों में दरार को देखते हुए केवल दीवार ही नहीं बल्कि स्कूल की छत की दशा भी बेहतर नहीं है। छत से पानी रिसने के कारण बच्चों को खासी परेशानी होती है। अभिभावकों में डर बना रहता है। विद्यालयों की दशा में सुधार के लिए प्रशासन और नगरीय निकाय की ओर से अब तक कोई पहल नहीं की गई है। कमरों की दीवार ढहने या बरामदे की छत गिरने से कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। यहां विद्यालयों में कमरे की छते जर्जर है जिससे हल्की सी बारिश में ही रिसाव होने लगता है। विद्यालय की छत व दीवारें दरक गई हैं। इसमें पढ़ने वाले छात्र छत गिरने की आशंका से सहमे रहते हैं। व्रहीं आंगनबाड़ी केंद्र के बाहर जलभराव से नन्हें-नन्हें बच्चों के आंगनबाड़ी केंद्र पर जाते समय गंदे पानी में गिरने का डर बना रहता है। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में ही कई विद्यालय व आंगनबाड़ी के भवन पुराने और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं।

सरवाड़ में जमकर बारिश, कई जगह पानी भरा

जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा

सरवाड़, (निसं)। शहर सहित उपखंड क्षेत्र में शनिवार को सुबह से ही बरसात का दौर जारी रहा। वहीं उमस से लोगों को राहत मिली। जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सुबह तेज हवाओं व गर्जना के साथ शहर में बारिश का दौर शुरू हो गया जो पूरे दिन रुक-रुककर चलता रहा। बारिश से तापमान में भी गिरावट हुई है। बारिश के कारण शहर की बस्तियों में पानी का भराव हो गया। कई जगहों पर जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं तेज बारिश की संभावना को देखते हुए अजमेर जिला कलक्टर लोकबंधु ने सुबह ही सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के साथ ही आंगनबाड़ियों में अवकाश घोषित कर दिया था। बारिश के चलते चारों तरफ पानी पानी हो गया। लगातार हो रही बारिश के चलते फसलें भी नष्ट होने लगी है। शहर साहित उपखंड क्षेत्र में कई खेतों में दो बार बुवाई हो चुकी है, मगर फसलों में पानी भरने के कारण नष्ट होने की कगार पर है जिससे किसान परेशान नजर आ रहे हैं। वहीं खेतों में फसलों को बचाने के लिए किसान यूरिया का छिड़काव कर रहे हैं।

राशिफल रविवार 27 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र सायं 4:23 तक, वारियान योग रात्रि 3:13 तक, तैतिल करण दिन 10:42 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-सिंह, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से सायं 4:23 तक है। राजयोग सायं 4:23 से रात्रि 10:42 तक है। रवियोग सायं 4:23 से आरम्भ होगा। आज मधु श्रदा तीज, लघु तृतीया व्रत है। आज सकर मु. मास 2 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:32 से 9:13 तक, लाभ-अमृत 9:13 से 12:33 तक, शुभ 2:13 से 3:54 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 7:14

मेष
आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-गृहस्थी की सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

महाकाल कावड यात्रा पोस्टर का विमोचन

उदयपुर, । श्री महाकालेश्वर कावड यात्रा समिति द्वारा आज यहां करधर बावजी, राजसमन्द में कावड यात्रा व एवं भव्य शोभा यात्रा के पोस्टर का विमोचन मुख्य अतिथि कृष्णकान्त शर्मा, सुधीर पोद्दार, भंवरलाल चौधरी, ओम जोशी, ओम नंदवाना व श्री महाकाल कावड यात्रा समिति के अध्यक्ष के.के.शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर कावड यात्रा समिति के अध्यक्ष के.के.शर्मा ने बताया कि कावड यात्रा की तैयारी के लिये पुरे शहर में धार्मिक संगठनो व सामाजिक संगठनों से महाकाल कावड यात्रा एवं शोभायात्रा में भाग लेने हेतु अपील की है, यात्रा हेतु शहर के समस्त देवालयो में कावड यात्रा के बैनर लगाये जा रहे है, इस शर्मा ने बताया कि इस कावड यात्रा में पांच हजार से ज्यादा कावड यात्री महिला पुरूष के भाग लेने की उम्मीद है। संयोजक मोहनलाल साहू ने बताया कि कावड यात्रा 8 अगस्त को गंगाजी के चौथे पाये गंगोदभव कुण्ड, आयड से प्रात: 11.30 बजे निकाली जावेंगी जिसका मार्ग गंगोद्भव कुण्ड से आयड पुलिया, अशोक नगर रोड, माताजी मंदिर से शक्ति नगर, टाउनहॉल, सुरजपोल चौराहा, अस्थल मंदिर, मुखर्जी चौक, बडा बाजार, घंटाघर, जगदीश चौक, चांदपोल पुलिया से अम्बापोल, अम्बामाता मंदिरं, आयुर्वेद चौराहा से श्री महाकाल मंदिर पहुंचेगी।

आदिवासी पार्टी का धरना-प्रदर्शन कल

उदयपुर, । टीएडी विभाग में करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के मामले उजागर होने एवं लंबे समय बाद भी घोटालों के मामलों में कार्यवाही नहीं करने के मामले में भारत आदिवासी पार्टी द्वारा 28 जुलाई को उदयपुर स्थित टीएडी आयुक्त कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जायेगा एवं घोटालों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की जायेगी। उदयपुर जिलाध्यक्ष अमित खराडी ने बताया कि इस धरना प्रदर्शन में भारत आदिवासी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष रमेश मईडाए पार्टी के निर्वाचित जनप्रतिनिधी, पार्टी पदाधिकारी एवं सैकडों कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।खराडी ने बताया कि सरकार आदिवासी समुदाय के नाम पर बजट में बडी बडी घोषणाएं कर सालाना 1000-1500 करोड़ रुपये की कागजी घोषणाएं कर देती है और वास्तविकता में आधी अधूरी राशि ही विभाग को दी जाती है। यह आधी अधूरी बजट राशि भी आदिवासी समाज को ना मिलकर भ्रष्टाचार की भेंट चढ रही है। खराडी ने कहा कि विगत 3 वर्षों में विभाग में करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ और इन सब घोटालों के सबूत विभाग के सामने हैं लेकिन आज तक किसी भी घोटाले की जांच पुरी कर दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। अगर कोई भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता है तो पुलिस और प्रशासन के जरिए दबाव बनाने की तानाशाही की जा रही है।

झालावाड़ हादसे के बाद डरे बच्चे, उदयपुर में स्कूल नहीं गए

■ छात्रो ने लगाए स्कूलो के ताले, कही कराई छुट्टी

उदयपुर, (का.स.) । झालावाड़ जिले के एक सरकारी स्कूल की छत गिरने के हादसे के बाद उदयपुर जिले में भी शनिवार को कई छात्र डर के कारण स्कूल नही गए। कुछ जगह ग्रामीणों ने अपने स्तर पर छुट्टी करा दी।

झालावाड़ के पिपलोदी गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल में शुक्रवार को छत भरभराकर गिर गई। इसमें 7 बच्चों की मौत हो गई। उदयपुर जिले में कई स्कूलों में इस हादसे से सहमे बच्चे स्कूल नहीं पहुंचे। कुछ जगह पहुंचे तो गिनती के बच्चे और कुछ जगह ग्रामीणों ने अपने स्तर पर छुट्टी करा दी।उदयपुर जिले के मावली के समीप भीमल गांव के चारणान सरकारी उच्च प्राथमिक स्कूल की हालत जर्जर अवस्था में होने से आज ग्रामीणों और स्टूडेंट ने विरोध जताया। झालावाड़ हादसे के बाद से स्कूली बच्चे और उनके अभिभावक चिंतित है। आज स्कूल के मुख्य द्वार पर बच्चों ने ताला लगा दिया और 85 बच्चे स्कूल के बाहर बैठ गए।ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है. तीन सालों में सभी जन प्रतिनिधियों को स्कूल की इस जर्जर अवस्था के बारे में बता दिया गया था लेकिन आज तक सुध नहीं ली। स्कूल में लगातार प्लास्टर गिरने और बड़े हादसे होने की संभावना के चलते डर के साये के बीच बच्चे स्कूल जा रहे है।बच्चों ने भय के चलते आज स्कूल में जाने के बजाय मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। जानकारी मिलने पर मौके पर तहसीलदार पहुंचे है।

उदयपुर जिले के गिर्वा पंचायत समिति के ग्राम पंचायत अमरपुरा के गांव गोज्या में राजकीय प्राथमिक स्कूल में 114 बच्चों का नामांकन है। झालावाड़ की घटना के डर से आज मात्र 15 बच्चे ही स्कूल में आए। इसके बाद ग्रामीणों ने उनकी भी छुट्टी करवा दी।पूर्व पंचायत समिति सदस्य पृथ्वीराज मीणा ने बताया. स्कूल के तीन कमरे जर्जर हालत में है जो कभी भी गिर सकते हैं। दो दीवार भी गिर सकती है। उन्होंने बताया. इस बारे में कई बार शिक्षा विभाग को अवगत करा चुके हैं लेकिन स्कूल की सुध नहीं ली। मावली के पलाना कलां स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय निंबाडा की डांग स्कूल में छत से बारिश का पानी टपक रहा है और छत से निर्माण सामग्री भी गिर रही है।

प्रधानाचार्य रजनी गोयल का कहना है पिछले तीन साल से वो लिखित रिपोर्ट पीईईओ कार्यालय में दे रही है। स्थानीय सरपंच एवं जन प्रतिनिधियों को भी मौके पर बुलाकर स्थिति दिखाई लेकिन समाधान नहीं हुआ। कोटड़ा ब्लॉक के नाल भियाटा स्थित प्राथमिक विद्यालय में करीब 40 बच्चों का नामांकन है। भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने से यहां पर ग्रामीण बांस का सेट बनाकर बच्चों को पढ़ाते है।

उबेश्वर तक की कावड़ यात्रा 29 को

उदयपुर, । शक्तिनगर व्यापार मंडल द्वारा आगामी 29 जुलाई को आयोजित आयड गंगु से उबेश्वर तक की कावड़ यात्रा का शक्तिनगर स्थित लिबर्टी पेन्ट्स के बाहर फूलों की वर्षाए जल व सेगारी प्रसाद द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। और कावड़ यात्रियों को जल व फल वितरित किए जाएंगे।

शनिवार को शक्तिनगर स्थित व्यापार मंडल के कार्यालय में यात्रा की तैयारियों को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी सदस्यों ने अपनी जिम्मेदारियाँ निर्धारित कीं। व्यापार मंडल के महासचिव जितेंद्र कालरा ने बताया कि यह कावड़ यात्रा पिछले 20 वर्षों से आयोजित की जा रही है और हर बार स्वागत इससे और अधिक भव्य बनाने का प्रयास रहता है। इस बार का आयोजन विशेष रूप से स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसके लिए प्रसाद स्थानों पर डस्टबिन लगाए जाएंगे। व्यापार मंडल के सदस्य कैलाश राठौड़ ने जानकारी दी कि इस वर्ष प्रसाद वितरण और जलपान की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

सार-समाचार

प्रतिभा सम्मान समारोह 2 को

उदयपुर, ।अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मेवाड द्वारा क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान 2025 का आयोजन उदयपुर में होने जा रहा है। महासभा प्रवक्ता रणवीर सिंह जोलावास ने बताया कि सेवा, संस्कार, समर्पण को समर्पित क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन नगर निगम सभागार, टाउनहॉल में 2 अगस्त को आयोजित होने जा रहा है। समारोह में 100 से अधिक प्रतिभाओं को शौर्य, सेवा, संस्कृति, शिक्षा, साहित्य, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 21 विशिष्ट श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा।

जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, । घर में घुस कर जेवर व नकदी चोरी करने वालें आरोपियों के खिलाफ झाड़ोल थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारही अनुसार पीडित चुन्नीलपाल पुत्र अम्बालाल भील निवासी गोराणा झाड़ोल ने आरोपी विक्रम पारगी, नरेश पारगी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 25 जुलाई को बाइक लेकर आए आरोपी मौका देख कर घर में घुस कर सोने चांदी के जेवर, नकदी तथा सामान चुरा ले गए। इसको लेकर पडताल करने पर दोनों की पहचान होने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच हेडकांस्टेबल जब्बर सिंह कर रहे है।

शनिमहाराज आली में उमड़े भक्त

कपासन । मेवाड के प्रसिद्ध शनिधाम श्री शनि महाराज आली में सावन के तीसरे शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। दर्शन के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। तीर्थ स्थल प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी के सचिव कालू सिंह चौहान ने बताया कि शनिवार को तीर्थ स्थल पर दिनभर दर्शनार्थियों की भारी भीड़ रही। सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। बस स्टैंड के स्वागत द्वार से लेकर मंदिर तक कतारें लगी रहीं।दोपहर में महा आरती के समय सर्वाधिक भीड़ देखी गई। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। इसके बाद भी दर्शनार्थियों का आना-जाना दिनभर जारी रहा। तेल कुंड की ओर भी भीड लगी रही। श्रद्धालुओं ने श्री शनिदेव को तेल चढ़ाकर काला दान कर पूजा-अर्चना की। तेल कुंड और नव ठाह मंदिर में भी सुबह से भीड़ लगी रही। मंदिर कमेटी अध्यक्ष नरेंद्रपाल सिंह चौहान, सचिव कालू सिंह चौहान और कर्मचारी नरेंद्र विजयवर्गीय, आदि मौजूद थे।

क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान समारोह 2 अगस्त को

■ कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्वों का सम्मान करना है जिन्होंने अपने विचारों,कर्मों और सेवा के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है

उदयपुर । अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मेवाड़ द्वारा क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान -2025 का आयोजन उदयपुर में होने जा रहा है। समारोह का उद्देश्य ऊर्जावान और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्वों का सम्मान करना है जिन्होंने अपने विचारों,कर्मों और सेवा के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

महासभा प्रवक्ता रणवीर सिंह जोलावास ने बताया कि सेवा,संस्कार, समर्पण को समर्पित क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन नगर निगम सभागार,टाउन हॉल उदयपुर में 2 अगस्त को आयोजित होने जा रहा है । समारोह में 100 से अधिक प्रतिभाओं को शौर्य, सेवा, संस्कृति,शिक्षा,साहित्य, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 21 विशिष्ट श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा।समारोह में संत सानिध्य पूज्य गुरु सुदर्शनाचार्य जी महाराजए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजस्थान विधानसभा राजेंद्र सिंह राठौड़, जनप्रतिनिधि विधायक रिवाबा जडेजा, प्रीति गजेंद्र सिंह शेखावत,राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर आतिथ्य करेंगे।

जिलाध्यक्ष भंवर यादवेन्द्र सिंह रलावता ने बताया कि आयोजन मेवाड़ की गौरवशाली परंपराओं, पूर्व महाराणाओं के आदर्शों को नमन करते हुए समाज की विभूतियों को सम्मानित करेगा। सम्मान समारोह में बप्पा रावल से लेकर महाराणा महेन्द्र सिंह मेवाड़ तक के नाम पर विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किए जाएंगे। राणा पुंजा,बावजी चतुर सिंह जी,एवं मीरा बाई जैसे महापुरुषों के नाम पर विशेष प्रेरणादायक सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

महामंत्री हेमेंद्र सिंह दवाणा ने समारोह की जानकारी देते बताया कि यह समारोह समाज में ऊर्जाए सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और प्रेरणा का वातावरण निर्मित करने वाला एक ऐतिहासिक अवसर है । यह मंच युवाओं को गौरवशाली अतीत से जोड़ते हुए उज्जवल भविष्य की ओर प्रेरित करेगा जिससे युवा राष्ट्र निर्माण में क्षत्रिय समाज की भूमिका को अधिक सशक्त करेंगे ।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

■ वीर सैनिकों की बदौलत आज हम सुरक्षित - प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, भारतीय सेना के अदम्य साहस और वीरता के प्रतीक कारगिल विजय दिवस पर शनिवार को राजस्थान विद्यापीठ के प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय के सभागार में शहीदों के चित्र पर कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कुल प्रमुख एवं कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर सहित कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि यह दिन उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का दिवस है, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीरता पूर्वक लड़ाई लड़ी। भारतीय इतिहास में कई ऐसी तारीखें हैं जो भारत के आमजन के मन में हमेशा विद्यमान रहेगी। 26 जुलाई की तारीख भी वह ऐतिहासिक तारीख है जो हर भारतीय के लिए गर्व का दिन है। 26 जुलाई 1999 को वीर भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सेना व सरकार को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था। यह दिन आज भी भारतीय इतिहास के पन्नों में दर्ज है। कारगिल की दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में लड़े गए इस युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों ने अदम्य साहस को प्रदर्शित किया। भारतीय सेना के वीर जवानों के कारण ही आज हम अपने घरों में चैन की नींद सो पा रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मण सिंह कर्नावट , पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, डॉ. एसबी नागर, डॉ. देवेन्द्र राव, डॉ. निवेदिता, डॉ. मोहसीन छीपा, निजी सचिव कृष्णकांत कुमावत, जितेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. यज्ञ आमेटा, डॉ. चन्द्रेश छतलानी डॉ. रोहित कुमावत सहित कार्यकर्ताओं ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email:-np ntd@yahoo.co.in,nagarpalikanathdwara@gmail.com Ph-02953-233526

क्रमांक:न.प.नाथ./भूमि/25/9656 दिनांक : 25/07/2025

-:आपत्तीय-सूचना:-

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्ति द्वारा स्वायत्त शासन विभाग के ऑनलाईन पोर्टल पर पंजीकृत दस्तावेजों के आधार पर अग्रांकित भूखण्ड/भवन का नामान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन में वर्णित सम्पत्तिके संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सूचना प्रकाशन के सात दिवस में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दे अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए नामान्तरण स्वीकृति की कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी:-

क्र. सं.	नाम आवेदक मय पता	आवेदित सम्पत्ति का विवरण	पडौस			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री दीपक गोयन्का पुत्र श्री विजय गोयन्का निवासी 175, अप्पर ग्राउण्ड फ्लोर, ब्लॉक-ए, पोकेट-2 इन्द्रप्रस्थ एन्क्लेव द्वारका सेक्टर -17 नई दिल्ली हाल मीरा नगर नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	मीरा नगर, नाथद्वारा , भू.सं.-99 क्षेत्रफल 136, 11 वर्गगज	भूखण्ड संख्या 88	आम रास्ता 30 फिट	भूखण्ड संख्या 100	भूखण्ड संख्या 98 दीपक जी गुर्जर का मकान

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

RAJASTHAN COLLEGE OF AGRICULTURE
MAHARANA PRATAP UNIVERSITY OF AGRICULTURE & TECHNOLOGY
GURU GOVIND SINGH MARG, UDAIPUR 313001
Tel. 0294 2418976, 2417835 (O), Em:deanrcaudr@yahoo.com
No.MPUAT/RCA/Acctts/OT/2025-26/NIB-21 Dated: 26.07.2025

NIT No.: RCA/NIT/2025-26 /NIB-21

Sealed offline bids are invited up to **12:15 PM of 04.08.2025** in respect of the following tenders/bids: (i) Bid No. DOR, **"Contractual Work for office, LSA, goat, mineral mixture and vermicompost unit"** (approx. Rs. 09.30 lakh). Details may be seen in the Bidding Document at our office or on our websites **www.mpuat.ac.in** or the website of State Public Procurement Portal website **www.sppp.rajasthan.gov.in** may be obtained or downloaded on payment of Rs. 500/- in demand draft. **DEAN, RCA**

NIT No.: RCA/NIT/2025-26 /NIB-22

Sealed offline bids are invited up to 12:15 PM of 04.08.2025 in respect of the following tenders/bids: (i) Bid No. DOR, **"Contractual Work at Livestock Farm"** (approx. Rs. 09.20 lakh). Details may be seen in the Bidding Document at our office or on our websites **www.mpuat.ac.in** or the website of State Public Procurement Portal website **www.sppp.rajasthan.gov.in** may be obtained or downloaded on payment of Rs. 500/- in demand draft. **DEAN, RCA**

नकदी जेवर बेच नकदी हड़पी

उदयपुर, । नकली जेवर बेच कर पीडित से नकदी हडपने वाले के खिलाफ सूरजपोल थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित रवि मोची पुत्र अशोक मोची निवासी जोगीवाड़ा सूरजपोल ने देवीलाल नामक आरोपी के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया।

जिसमें उसने बताया कि मेरी शक्तिनगर में रेडीमेड दुकान है तथा सिलाई का काम भी करता हूं। छह सात माह पूर्व देवीलाल नामक व्यक्ति मेरे यहां पर कपडे सिलवाने के लिए आया तथा 24 जुलाई को वहीं व्यक्ति ने मुझे रूपयों की आवश्यकता बताते हुए सोने की चेन बेचने के लिए दी। इस पर मैंने उसका टंच निकलवाया तो दस लाख रूपये कीमत बताई थी। मैने इतने रूपये देने से इनकार कर दिया। वहां से चले जाने के कुछ ही समय बाद आरोपी ने दुबारा फोन कर 5 लाख रूपये देने की बात कही तो मैने उससे चेन लेकर नकदी दे दी। उसके जाने के बाद पता किया तो चेन नकली होने की जानकारी सामने आई। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच एएसआई तेजसिंह कर रहे है।

हिन्दुस्तान जिंक जावर माइंस ने जावर में शुरू किया मेगा वृक्षारोपण अभियान

उदयपुर, । हिन्दुस्तान जिंक प्रदेश ही नहीं देश में खनन के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण पहचान रखती है, कंपनी ने अपने संचालन क्षेत्र में सामाजिक विकास और प्रकृति संरक्षण में भी सराहनीय कार्य किये है। यह बात उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने हिन्दुस्तान जिंक जावर माइंस द्वारा रंवा गांव में पौधरोपण अभियान के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि जावर क्षेत्र में हरियाली के लिये हिन्दुस्तान जिंक की पहल आने वाली पीढियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने में अपनी अनुकरणीय भूमिका निभाएगी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए सखी कार्यक्रम और नंदघर पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीएसआर के तहत् कंपनी ने आस पास की पंचायतों में जो कार्य किये है उनसे निश्चित तौर पर इस क्षेत्र के विकास को बल मिला है। उन्होंने उपस्थित समुदाय से इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहयोग देने का आव्हान करते हुए कहा कि पौधे लगाने कार्य पुनित कार्य है जिससे हमें सदैव याद रखा जाता है।

सस्टेलेबिलिटी और सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, हिन्दुस्तान जिंक द्वारा जावर माइंस के आस पास ग्रीन जावर पहल के तहत मेगा वृक्षारोपण अभियान शुरू किया है। इस अभियान का लक्ष्य अगले महीने में अपने परिचालन क्षेत्रों के आसपास के गांवों में 50,000 से अधिक पौधे लगाना है।

राजस्थान ग्रामीण बैंक
Rajasthan Gramin Bank
(भारत सरकार, राजस्थान सरकार तथा भारतीय स्टेट बैंक का संयुक्त उपक्रम)
(Joint Venture of Govt. of India, Govt. of Rajasthan & State Bank of India)
Regional Business Office, Banswara

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8 (1) देखे)

जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता **राजस्थान ग्रामीण बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **श्रीमती ममता जोशी पत्नी श्री दीपक कुमार जोशी** एवं सह-ऋणी **श्री दीपक कुमार जोशी पुत्र श्री चम्पा लाल जोशी पर मांग सूचना दिनांक 06.05.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 06.05.2025 को बकाया राशि रू. 11,85,743.65 (रूपये ग्यारह लाख पचासी हजार सात सौ तैतालीस एवं पैसे पैंसठ मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 22, माह जुलाई, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 06.05.2025 को बकाया राशि रू. 11,85,743.65 (रूपये ग्यारह लाख पचासी हजार सात सौ तैतालीस एवं पैसे पैंसठ मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **राजस्थान ग्रामीण बैंक, माण्डवी चौक शाखा, जिला डूँगरपुर, राजस्थान** के प्रभार के अधीन होगा।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्रीमती ममता जोशी पत्नी श्री दीपक कुमार जोशी एवं श्री दीपक कुमार जोशी पुत्र श्री चम्पालाल जोशी के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो बंगला नं. ई-72, नेमीनाथ नगर, गोवाड़ी, तहसील सागवाड़ा, जिला डूँगरपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 482 वर्ग फीट (16.8 X 28.11) है। सीमाएं- उत्तर: प्लॉट नं. ई-73 मकान के साथ, दक्षिण: प्लॉट नं. ई-71 मकान के साथ, पूर्व: प्लॉट नं. ई-77 मकान के साथ, पश्चिम:30 फीट चौड़ा रोड

स्थान: डूँगरपुर
दिनांक: 22.07.2025
हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबन्धक

राजस्थान ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय व्यावसायिक कार्यालय, प्रथम तल, खादी फ्लेक्स बिल्डिंग, हाउसिंग बोर्ड - हेमू कालानी तिराहा, उदयपुर रोड़, बांसवाड़ा - 327001
फोन: 02962-250315,6, ई-मेल: robans@barodarajasthanrrb.co.in

राजस्थान ग्रामीण बैंक
Rajasthan Gramin Bank
(भारत सरकार, राजस्थान सरकार तथा भारतीय स्टेट बैंक का संयुक्त उपक्रम)
(Joint Venture of Govt. of India, Govt. of Rajasthan & State Bank of India)
Regional Business Office, Banswara

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8 (1) देखे)

जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता **राजस्थान ग्रामीण बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **मैसर्स जैन किराणा स्टोर** प्रोपराईटर **श्री चकेश जैन पुत्र श्री लक्ष्मी लाल जैन** एवं जमानतदार **श्री लक्ष्मी लाल दोसी पुत्र श्री जीव राज दोसी पर मांग सूचना दिनांक 09.05.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 09.05.2025 को बकाया राशि रू. 8,41,728/- (रूपये आठ लाख इकतालीस हजार सात सौ अठाईस मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 22, माह जुलाई, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 09.05.2025 को बकाया राशि रू. 8,41,728/- (रूपये आठ लाख इकतालीस हजार सात सौ अठाईस मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **राजस्थान ग्रामीण बैंक, बडगाँव शाखा, जिला बाँसवाड़ा, राजस्थान** के प्रभार के अधीन होगा।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री लक्ष्मी लाल दोसी पुत्र श्री जीव राज दोसी के नाम साम्यिक बंधक आवासीय मकान जो पट्टा नं. 37, दिगम्बर जैन मंदिर के पास, जैन मौहल्ला, गाँव तलवाड़ा, तहसील एवं जिला बाँसवाड़ा, राजस्थान पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 30*20 = 600 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तर: जीवराज कॉलोनी गली, दक्षिण: श्री धनपाल पुत्र श्री धुलाजी जैन का मकान, पूर्व: श्री श्रीपाल पुत्र श्री जीवराज दोसी का मकान, पश्चिम: श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री जीवराज दोसी

स्थान: बाँसवाड़ा
दिनांक: 22.07.2025
हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबन्धक

राजस्थान ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय व्यावसायिक कार्यालय, प्रथम तल, खादी फ्लेक्स बिल्डिंग, हाउसिंग बोर्ड - हेमू कालानी तिराहा, उदयपुर रोड़, बांसवाड़ा - 327001
फोन: 02962-250315,6, ई-मेल: robans@barodarajasthanrrb.co.in

धोखे से जमीन हडपने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर,। शहर के बडगांव थाना पुलिस ने धोखे से रजिस्ट्री करवा जमीन हडपने वाले दो बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। प्रकरण के अनुसार मांगीलाल पत्रु तख्ताजी निवासी राठोड़ों का गुडत्रा बडगांव ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। कि ग्राम पंचायत थूर में पिता के नाम से भूखण्ड है। जिसका मेरे नाम से पट्टा करवाना था। मेने मेरे मिलने वाले विक्रमसिंह पुत्र मदनसिंह निवासी पीपली चौक बेदला को कहा तो उसने मुझे बैंक डायरी, आधार कार्ड व मेरे पट्टे की फोटोकॉपी मांगी।

कुछ समय बाद विक्रम सिंह ने देवीलाल, पप्पुलाल व जितेन्द्र के साथ मिल कर मेरी जमीन देवीलाल के नाम करवा दी। इसका पता चलने पर पडताल की तो पप्पुलाल व जितेन्द्र द्वारा गवाह देने की जानकारी सामने आई। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाशचंद बोरीवाल के सुपरविजन में बडगांव थानाधिकारी पूरणसिंह के नेतृत्व में एएसआई रोशनसिंह मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी जितेन्द्र पुत्र चेनराम निवासी डांगियों का गुडा सुखेर तथा पप्पुलाल पुत्र नोजीराम निवासी छिपाला चेडाखेत गोगुन्दा को गिरफ्तार किया।

गलत बयानों पर एकजुट हुए मेवाड़ के आदिवासी नेता

■ प्रदेश कांग्रेस ने मुझे इस कार्यक्रम का समन्वयक बनाया तो ऐसे में आदिवासी समाज की उपेक्षा कैसे हुईः ताराचंद मीणां

उदयपुर,26 जुलाई(का.स.)। संभाग स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में आदिवासी समाज की कथित उपेक्षा के बयानों पर मेवाड़ के आदिवासी नेता एकजुट हुए है और उक्त बयान को मिथ्या बताते हुए वक्तव्य जारी किया है ।

संविधान बचाओ रैली कार्यक्रम एवं संभाग स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में कुछ नेताओं द्वारा दिल्ली में कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को इस सम्मेलन में मेवाड़- वागड़ के आदिवासी समाज की अनदेखी और गुटबाजी का बेबुनियाद आरोप लगाने के मामले में मेवाड़ के आदिवासी समाज के नेताओं द्वारा वीडियो जारी कर वक्तव्य देते हुए ऐसी भ्रामक बयानों का खंडन किया गया है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, झाड़ोल के पूर्व विधायक एवं वर्तमान में झाड़ोल से कांग्रेस प्रत्याशी रहे हीरा लाल दरांगी ने अपने जारी किए वीडियो में वक्तव्य देते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा मेवाड़.वागड़ को उचित प्रतिनिधित्व दिया है। कांग्रेस की सर्वोच्च समिति (सीडब्लूयूसी) में मेवाड़.वागड़ के आदिवासी नेताओं को दो बार सदस्य बनाया गया जो कि बहुत गौरव की बात है। और मेवाड़ से प्रदेश कांग्रेस में आदिवासी समाज के पदाधिकारी भी बने है। वर्तमान में वो स्वयं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भी है। साथ ही जब भी प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तब मेवाड़.वागड़ को हमेशा मंत्रिमंडल में उचित स्थान मिला है। यह आदिवासी समाज के लिए सम्मान की बात है।

संभाग स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में कोई गुटबाजी या उपेक्षा जैसी बात ही नहीं हुई। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने तो अपने उद्बोधन में आदिवासी नेतृत्व को कांग्रेस में निर्णायक भूमिका देने तक की बात कही गई। तो ऐसे में आदिवासी समाज की उपेक्षा या कोई ओर गुटबाजी की बाते कोरी अफवाह है।

उदयपुर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे ताराचंद मीणा ने वीडियो जारी कर वक्तव्य देते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा मुझे ही संभाग स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का समन्वयक बनाया। तो ऐसे में आदिवासी समाज की उपेक्षा कैसे हुई, सम्मेलन में सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ ही मेवाड़.वागड़ के आदिवासी नेताओं को भी मंच पर सम्मानपूर्वक उचित स्थान दिया गया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा द्वारा दिए गए उद्बोधन में तो मेवाड़.वागड़ में आदिवासी नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी को दिए गए योगदान को सराहा गया था। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी, नेता प्रतिपक्ष टीका राम जुली द्वारा भी अपने उद्बोधन में भी मेवाड़.वागड़ की राजनीति में कांग्रेस पार्टी के लिए आदिवासी समाज द्वारा दिए गए योगदान पर बात कही गई। सम्मेलन में कोई गुटबाजी और उपेक्षा जैसी बात नहीं हुई।

ऋषभदेव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूप लाल मीणा ने वीडियो जारी कर वक्तव्य देते हुए कहा कि मुझे भी पहली बार ऐसे बड़े मंच पर उद्बोधन का अवसर मिला। तो आदिवासी समाज की अनदेखी कैसे हुई, वर्तमान में गुटबाजी और उपेक्षा की बात करी जा रही है वो केवल अफवाह है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सडा पंचायत समिति फलासिया, जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-ग्रापंअा./2025-26/spl-02 दिनांक-26.7.2025

-:ई निविदा सूचना -01/2025-26:-

ग्राम पंचायत सडा में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाए दिनांक 25.07.2025 से दिनांक 04.08.2025 समय साय 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी **sppp.rajasthan.gov.in** व **eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।

UBN N0 ZUD2526GLOB01447
eproc id 2025_PRD_490017_1

प्रशासक ग्राम पंचायत सडा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत सडा

कार्यालय ग्राम पंचायत गुराड पंचायत समिति फलासिया, जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-ग्रापंअा./2025-26/spl-02 दिनांक-26.7.2025

-:ई निविदा सूचना -01/2025-26:-

ग्राम पंचायत गुराड में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाए दिनांक 26.07.2025 से दिनांक 04.08.2025 समय साय 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी **sppp.rajasthan.gov.in** व **eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।

UBN N0 ZUD2526GLOB01451
eproc id 2025_PRD_490043_1

प्रशासक ग्राम पंचायत गुराड — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत गुराड

करौली के इनायती गांव के सरकारी विद्यालय की जर्जर छत गिरी, बड़ा हादसा टला

गनीमत रही कि हादसा स्कूल खुलने से पहले हुआ, जिससे बड़ी जनहानि टल गई

करौली, (निसं)। करौली जिले के सपोटरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती की जर्जर छत शनिवार को विद्यालय खुलने से पूर्व भरभराकर गिर गई। गनीमत रही की हादसा स्कूल खुलने से पहले हुआ जिससे बड़ी जनहानि टल गई। इनायती गांव के सरकारी विद्यालय की छत गिरने की आवाज से विद्यालय परिसर के आसपास लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया।

विद्यालय के प्राधानाचार्य संतराम मीणा ने हादसे की जानकारी तुरंत शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी। हैरानी की बात यह रही कि सूचना के बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। विद्यालय भवन की खराब हालत को लेकर पहले भी कई बार विभाग को अवगत कराया जा चुका था, लेकिन मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक इंद्रेश तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही एसीबीईओ को मौके पर भेजा गया है। पीओ से फोन पर बातचीत कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई है।

सपोटरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती की जर्जर छत शनिवार को विद्यालय खुलने से पूर्व भरभराकर गिर गई।

- विद्यालय के प्राधानाचार्य संतराम मीणा ने हादसे की जानकारी तुरंत शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी
- स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्कूल भवन की तुरंत मरम्मत कराने मांग की

सभी स्कूलों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गिरा हुआ कमरा पहले से क्षतिग्रस्त था, इसलिए उसमें छात्रों को नहीं बैठाया जा रहा था।

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में स्कूल की छत गिरने से सात बच्चों की मौत हो चुकी है। इससे यह मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है। स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने मांग की है कि स्कूल भवन की तुरंत मरम्मत कराई जाए। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जाए। इधर इनायती गांव के विद्यालय की छत गिरने के बाद जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने शनिवार को करसाई, राजौर, अतैवा एवं कैलादेवी क्षेत्र के विभिन्न राजकीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसरों की स्थिति का जमीनी स्तर पर जायजा लेते हुए समस्त शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सक्सेना ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोपाललाल मीणा सहित समस्त शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के समस्त विद्यालय परिसरों की छतों की साफ-सफाई तत्काल प्रभाव से करवाई जाए।

180 कार्टन शराब पकड़ी, तीन गिरफ्तार

चावल के कट्टों के बीच छिपाकर हरियाणा से गुजरात भेजी जा रही थी अवैध शराब

बीकानेर, (निसं)। हरियाणा से राजस्थान होते हुए गुजरात भेजी जा रही अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप को बीकानेर रेंज पुलिस और नापासर थाने की संयुक्त टीम ने जब्त कर लिया। मुखबिर की सूचना पर भारतमाला सड़क मार्ग पर एक ट्रक को रुकवाकर जांच की गई, जिसमें चावल के करीब 900 से 1000 कट्टों के बीच छिपाकर रखी गई 180 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी। वहीं पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई आईजी ऑफिस बीकानेर के सब इंस्पेक्टर देवीलाल और नापासर थाने के एएसआई जगदीश कुमार के नेतृत्व में की गई। ट्रक चालक कुलविंदर सिंह जट सिख, सह चालक गुरभान सिंह जट सिख, सर्वजीत सिंह, (तीनों पंजाब निवासी) को मौके पर गिरफ्तार किया गया। जब्त शराब में विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब शामिल है, जिसे बड़ी चतुराई से चावल के कट्टों में छुपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने नापासर थाने में आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी काफी समय से इस तरह की तस्करी में संलिप्त थे और चावल के कट्टों की आड़ में शराब की आपूर्ति की जा रही थी।

बीकानेर रेंज पुलिस की स्पेशल टीम की यह कार्रवाई प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस विभाग ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए युवाओं को नशे से दूर रखने और अपराधियों की सूचना देने की अपील की है। देवीलाल सारण सब इंस्पेक्टर आईजी ऑफिस, लक्ष्मण सिंह नापासर थानाधिकारी, जगदीश कुमार एएसआई नापासर, आईजी ऑफिस से हेड कॉन्स्टेबल विमलेश कुमार, कांस्टेबल आत्माराम, कॉन्स्टेबल बाबूलाल, कॉन्स्टेबल आरिफ हुसैन, कॉन्स्टेबल सीताराम सभी रेंज ऑफिस बीकानेर की टीम शामिल रहे।

झालावाड़ स्कूल हादसा : शिक्षा विभाग की तथ्यात्मक रिपोर्ट सामने आई

बीकानेर, (निसं)। झालावाड़ के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल पिपलोदी में छत गिरने के मामले में शिक्षा विभाग की तथ्यात्मक रिपोर्ट चौंकाने वाली है। विभाग ने सारी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पर डाल दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कमरे ग्राम पंचायत ने बनाए थे, वो क्षतिग्रस्त हुए हैं।

शिक्षा विभाग की ओर से बनाए गए कमरे पूरी तरह सुरक्षित है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल में कार्यरत किसी शिक्षक ने भवन के किसी हिस्से के गिरने की संभावना कभी व्यक्त नहीं की गई। उधर, प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट आज प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से जर्जर भवनों के बारे में रिपोर्ट मांग रहे हैं। मनोहर का थाना के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल के संस्थान प्रधान ने जीर्ण-शीर्ण या मरम्मत के लिए स्थानीय कार्यालय को कोई प्रस्ताव नहीं भेजा था। कार्यरत शिक्षकों ने भी कभी भवन की असुरक्षा स्थिति की संभावना व्यक्त नहीं की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूल भवन का निर्माण साल 1994 में मनपसर ग्राम पंचायत ने करवाया था। ये ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, जबकि वर्ष 2011 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बना एक कमरा पूरी तरह सुरक्षित है। सवाल ये उठ रहा है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को हर महीने तय स्कूलों का निरीक्षण करना होता है। इसके लिए अधिकारियों को ऑनलाइन आदेश दिया जाता है। स्कूल का निरीक्षण होता है और उसकी रिपोर्ट निदेशालय तक आती है। इन अधिकारियों की रिपोर्ट में ये सब आया या नहीं पिछले सालों में क्या शिक्षा विभाग का कोई अधिकारी यहां निरीक्षण करने नहीं पहुंचा। अगर गया है तो उसने जर्जर अवस्था की रिपोर्ट क्यों नहीं की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लगातार अतिवृष्टि के कारण स्कूल भवन की पिछली दीवार की नींव में पानी भराव होने के कारण कमजोर हो गई। रिपोर्ट में ये नहीं बताया गया कि पानी पिछले कितने दिनों से भरा हुआ था और टीचर्स ने इसे क्यों नहीं देखा सुबह 7.40 बजे राउप्रावि पिपलोदी में प्रार्थना सभा के लिए कक्षा छह व सात के स्टूडेंट्स को इसी कक्ष में एकत्र किया गया। इसी दौरान छत गिर गई। घटना के बाद भी शिक्षा विभाग पूरी तरह हरकत में रहा। प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग पर बात की। जर्जर स्कूलों के बारे में रिपोर्ट लेने के साथ ही मरम्मत करने के प्रस्ताव भी मांगे गए हैं।

स्कूल हेड मास्टर को प्रस्ताव बनाकर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को देना होता है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी इसे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भेजता है। जहां से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जो समग्र शिक्षा अभियान को ये प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जहां पर नियुक्ति जेईएन अपने जिले के स्कूल का निरीक्षण करता है। मरम्मत की जरूरत होती है तो मरम्मत की जाती है, अन्यथा उसे ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाती है।

क्षेत्र के विधायक और सांसद अपने कोटे से राशि स्वीकृत कर सकते हैं। ये राशि जिला पारिषद के माध्यम से खर्च होती है। जिला पारिषद चाहे तो सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से या फिर किसी अन्य सरकारी एजेंसी से निर्माण या मरम्मत करवा सकती है। मुख्यमंत्री के विशेष कोटे से भी सरकारी स्कूलों में निर्माण और मरम्मत कार्य होते रहे हैं। इसके लिए संबंधित विधायक प्रयास करके बजट स्वीकृत करा सकता है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रदेश के किसी भी स्कूल में मरम्मत और निर्माण कार्य होता है। इसके लिए विभाग में जेईएन, एईएन, एक्सईएन की पोस्ट है। इसके बाद भी कोई इंजीनियर अपने स्तर पर स्कूलों का निरीक्षण करके मरम्मत की स्थिति को नहीं देखता है। प्रस्ताव आने पर ही आगे काम किया जाता है।

- विभाग ने सारी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पर डाल दी है, रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कमरे ग्राम पंचायत ने बनाए थे, वो क्षतिग्रस्त हुए हैं
- रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्कूल भवन का निर्माण साल 1994 में मनपसर ग्राम पंचायत ने करवाया था, ये ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है
- रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2011 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बना एक कमरा पूरी तरह सुरक्षित है

सड़क हादसे में नर्सिंग छात्र की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के बड़गांव थाना क्षेत्र में ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई तथा उसका चचेरा भाई घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सांय बडगांव थाना क्षेत्र बरोडिया नाका होटल भव्या के समीप ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार मेघवालों का मोहल्ला टेकण कूण थाना लसाड़िया सलूम्बर निवासी महेश कुमार (25) पुत्र सवाईलाल मेघवाल तथा उसका चचेरा भाई बाइक चालक नारायण पुत्र देवीलाल मेघवाल घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां महेश की मौत हो गई। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल उम्मेदसिंह झाला ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

महेश भीलों का बेदला स्थित पैसिफिक कॉलेज से नर्सिंग कोर्स कर रहा था। वह अपने चचेरे भाई नारायण के साथ बाइक पर बैठ कर गोगुन्दा से उदयपुर की तरफ आ रहा था, जहां बीच रास्ते में हादसा हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

- हादसे में चचेरा भाई घायल हो गया

नर्सिंग केयर सेंटर से नशीली व प्रतिबंधित दवाईयां जब्त

नर्सिंग केयर सेंटर पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने छापा मारकर नशीली दवाईयां पकड़ी।

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ एवं नशीली दवाओं के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत् सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की टीम ने मालपुरा बस स्टैंड, जिला टोंक स्थित एक नर्सिंग केयर सेंटर पर छापामार कार्रवाई करते हुए टीम ने तस्करी की गई प्रतिबंधित ट्रामाडोल 11520 कैप्सूल, ट्रामाडोल 270 गोलियाँ और प्रतिबंधित अल्प्राजोलम 5010 गोलियाँ बरामद की तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि मालपुरा बस स्टैंड पर एक नर्सिंग केयर सेंटर चलाने वाले व्यक्ति द्वारा अपने नर्सिंग केयर सेंटर से अवैध रूप से नशीली दवाओं का स्टॉक रखकर और आपूर्ति की जा रही है। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम द्वारा उक्त नर्सिंग केयर सेंटर पर छापा मारा गया, टीम ने तलाशी के दौरान अवैध रूप से स्टॉक की गई नशीली दवाएं ट्रामाडोल 11520 कैप्सूल, ट्रामाडोल 270 टैबलेट और अल्प्राजोलम 5010 टैबलेट बरामद की। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद, बरामद प्रतिबंधित नशीली दवाओं को जब्त किया और एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया। मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

गंभीर नदी में नहाने गया युवक डूबा, नहीं लगा सुराग

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के उच्चैन थाना इलाके में गंभीर नदी में नहाने गया एक 22 साल का युवक डूब गया। पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं लग पाया है।

- पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं लग पाया
- युवक को एक स्टूडेंट ने डूबते हुए देखा, शोर मचाया तो मौके पर लोग इकट्ठे हुए

युवक को एक स्टूडेंट ने डूबते हुए देख लिया था, जिसके बाद उसने शोर मचाया तो, मौके पर लोग इकट्ठे हो गये। उन्होंने युवक के परिजनों को घटना की सूचना दी। उच्चैन पुलिस ने बताया कि सेवला हेड से केवलादेव नेशनल पार्क के लिए गंभीर नदी के रास्ते से पानी छोड़ा जा रहा है। मंगल सिंह (22) निवासी बरकोली गंभीर नदी में नहाने के लिए गया था। नहाते समय वह अचानक गंभीर नदी में डूबने लगा। जब मंगल सिंह डूब रहा था तो, उसने खुद को बचाने के लिए आवाज लगाई। इस दौरान वहां से एक स्टूडेंट स्कूल जा रहा था। स्टूडेंट ने मंगल सिंह को डूबते हुए देखा तो उसने भी शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठे हो गए।

तब तक मंगल पानी में डूब चुका था। लोगों ने बरकोली गांव में जाकर घटना के बारे में बताया, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर मंगल को सर्च करवाया। सर्च ऑपरेशन के बाद भी मंगल सिंह का कुछ पता नहीं लगा।

बचाव दल ने रेस्क्यू अभियान शुरु किया।

बीसलपुर बांध में डूबे युवक का शव मिला

टोंक, (निसं)। बीसलपुर बांध में डूबे राजू जाट निवासी गांव जेठानी का शव शनिवार को एसडीआरएफ ने निकाला और देवली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानकारी के अनुसार युवक गुरुवार शाम को अपने दोस्तों के साथ बांध पर आया था और नहाते समय डूब गया था। स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने गुरुवार शाम और शुक्रवार को पूरे दिन युवक की तलाश की, अंधेरा होने के कारण सर्च अभियान रोकना पड़ा था, शनिवार सुबह फिर से तलाश शुरू की गई और शव मिल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक का शव घटनास्थल से लगभग 100 मीटर दूर मिर्ची की झाड़ियों में फंसा हुआ था। तीन दिन में शव फूलकर ऊपर आ गया, जिसे एसडीआरएफ टीम ने बाहर निकाला और देवली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानलेवा हमले के आरोपी तक सर्वेयर बनकर पहुंची पुलिस, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में जानलेवा हमले के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहे आरोपी तक पहुंचने के लिये मुखबीर की सूचना पर पुलिस टीम ने मलेरिया, डेंगू सर्वेयर बनकर आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई और टीम ने फरार 10 हजार के इनामी आरोपी समीर को बनेठा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 19 मार्च 2024 को फरियादी शौकत अली ने न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैथून पुलिस को पर्चा बयान दिया था। फरियादी ने कहा था कि उसके पास उसके बेटे का फोन आया कि मस्जिद के पास कुछ लोगों ने उसको घेर रखा है और जब वह मौके पर पहुंचा तो शहजाद, उसके लड़के समीर, सलमान एवं शोयेब आदि ने मारपीट की व चाकू गण्डासी से जानलेवा हमला कर दिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीम गठित कर दबिश दी गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में आरोपी सलमान, शोयेब, अयान एवं साबिर को गिरफ्तार कर लिया था पर आरोपी समीर वारदात के बाद से ही परिवार सहित फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर टीम ने जगह-जगह दबिश दी, पर आरोपी इतना शातिर था कि वह पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाता था। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरार आरोपी पर 10 हजार के ईनाम की घोषणा की गई एवं आरोपी की गिरफ्तारी के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के सुपरविजन में पुलिस अधीक्षक राजेश ढाका के नेतृत्व में कैथून थानाधिकारी संदीप शर्मा व साईबर सेल के सहायक उपनिरीक्षक भुपेन्द्र सिंह को शामिल कर टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम के सदस्यों ने तकनीकी अनुसंधान व मुखबीर की सूचना तंत्र पर टोंक, जयपुर व सवाईमाधोपुर में संभावित स्थानों पर दबिश दी।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम को मुखबीर से फरार आरोपी समीर के बारे में टोंक शहर एवं थाना बनेठा क्षेत्र के ग्राम सूथरा में फरारी काटने की सूचना प्राप्त हुई जिस पर टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने के लिये टीम के सदस्यों ने मलेरिया, डेंगू सर्वेयर बनकर आरोपी के संबध में जानकारी जुटाई एवं बाद में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए फरार आरोपी लाड़पुरा निवासी समीर (23) को बनेठा थाना क्षेत्र से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

- जानलेवा हमले के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहा था आरोपी
- आरोपी इतना शातिर था कि वह पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाता था

अजमेर शहर में ढाई इंच बारिश हुई

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में करीब 60 मीमी (ढाई इंच) वर्षा दर्ज हुई। बारिश शुरू होते ही नगर निगम अजमेर की तकनीकी शाखा एवं स्वास्थ्य शाखा के अधिकारी सहित कर्मचारियों द्वारा शहर का दौरा किया गया।

स्वास्थ्य अधिकारी पृथ्वीराज सिंह ने बताया कि नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर शनिवार को बारिश के बाद अधिकारियों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और वर्तमान में वरूणसागर झोल पर जल की निकासी बांडी नदी की ओर जारी है एवं आनासागर झील का जल स्तर 11 फीट 9 इंच है। बांडी नदी अपने उच्चतम जल स्तर से 2.5 फिट नीचे चल रही है, क्योंकि आनासागर से वर्षा जल निकासी की जा रही है। वहीं सभी निचली बस्तियां जिसमें वर्षा जल भराव की स्थिति उत्पन्न हुई, वहां जल निकासी के लिए नगर निगम द्वारा मडपम्प लगावाए गए है। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने बजरंगगढ चौराहा, सागर विहार क्षेत्र, बांडी नदी के आस-पास क्षेत्र का मौका निरीक्षण किया एवं सामान्य स्थति बनाये रखने के निर्देश दिये।

इसके अतिरिक्त मलूसर बावडी में मंदिर की जर्जर अवस्था की छत लटकने की सूचन प्राप्त होते ही नगर निगम की टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर जर्जर भवन व मंदिर में से सभी किमती सामान निकलवाते हुए जर्जर हिस्से को तोड़कर मलबा इत्यादि हटवाया गया। चौरसियावास तालाब पर चल रही चादर पर आमजन की सुरक्षा हेतु दमकल को तैनात किया गया।

हथियारबंद बदमाशों ने साढ़े तीन लाख के जेवर सहित नगदी लूटी

चोरों ने मकान में लड़की के जागने पर सिर पर हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी दी

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। गांव सिंघाडा में रात्रि को अज्ञात चोर एक मकान में चोरी के लिए घुस गए। जब लड़की जागी तो बदमाश उसके सिर पर हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी देकर घर में रखे सोने-चांदी के जेवर व तीन हजार रुपए की नकदी लूटकर ले गए। जेवर की कीमत साढे तीन लाख रुपए बताई गई है। घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक नीरज भारद्वाज व थाना प्रभारी बालकृष्ण मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। साथ ही एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य लिए हैं।

रुदावल थाना प्रभारी बालकृष्ण फौजदार ने बताया कि गांव सिंघाडा निवासी भूरीसिंह पुत्र भोलाराम जाटव ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि उसका मेडिकल वाली गली के पास मकान है। रात्रि को उसके दो बच्चे सो रहे थे। रात्रि करीब 1 बजे 6-7 हथियारबंद बदमाश घर में अंदर घुस गए। जब उसकी लड़की की आंखें खुली तो दो बदमाशों ने लड़की के सिर पर देशी कट्टा रख दिया और जान से मारने की धमकी दी। दो-तीन बदमाश चोरी करने लग गए। बदमाशों ने अलमारी के लॉकर की चाबी मांगी। जब लड़की ने चाबी नहीं होना बताया तो बदमाशों ने अलमारी व बक्सा के लॉक को तोड़ दिया। बदमाश अलमारी में रखे सोने की नथ, टीका, पेन्डल व चांदी की कोधनी, पायजेब, साट, तोडिया, नाक की लौंग और 4 अंगूठी, 2 माला, 6 जोड़ी चुटकी और तीन हजार रुपए निकाल लिए। चोरी हुए जेवरात की कीमत साढे तीन लाख है। रुदावल थाना प्रभारी बालकृष्ण ने बताया कि घटनास्थल का मौका मुआयना कर एफएसएल ने साक्ष्य ले लिए हैं। घटना का खुलासा करने के लिए एक टीम गठित की गई है।

- घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक व थाना प्रभारी मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे

करंट से अधेड़ की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित बापू नगर के शिव मंदिर पार्क में पार्क की देखरेख करने वाले बाबूलाल मीणा (41) पिता राम नारायण मीणा जहाजपुर निवासी जो हाल में बीलिया क्षेत्र में रह रहा था जिसकी पार्क में घास काटते समय करंट लग गया। जिसे तुरंत महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय में स्थित मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया। वहीं परिजन व समाज के लोगों द्वारा शनिवार को उचित मुवावजे की मांग व एक संविदा नौकरी की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। काफी समय तक चले प्रदर्शन के बाद प्रताप नगर थाना एसएचओ व भीमगंज थाना प्रभारी द्वारा समझाइश के प्रयास के बाद उचित मुआवजा मिलने पर प्रदर्शन समाप्त किया गया।

हीरापुरा पावर हाउस पर जबरन बस शिफ्टिंग के विरोध में प्रदेशव्यापी चक्का जाम

बस ऑपरेटर्स का आरोप - हीरापुरा में न तो पार्किंग, न वेटिंग एरिया और न ही पर्याप्त यात्री सुविधाएँ

- हीरापुरा पावर हाउस पर प्राइवेट स्लीपर बसों को जबरन स्थानांतरित करने के विरोध में प्रदेशभर की सभी बस यूनियनों के सहयोग से यह चक्का जाम किया
- परिवहन विभाग ने गैर कानूनी तरीके से खड़ी बसों का चालान कर हीरापुरा बस स्टैंड से इनका संचालन शुरु करने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हीरापुरा बस स्टैंड से बस संचालन शुरू होने से पहले ही इसका विरोध शुरु हो गया और आल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर की शनिवार को हड़ताल करने की घोषणा के बाद इन बसों का प्रदेशव्यापी चक्का जाम हो गया।

आल राजस्थान कांट्रेक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने मीडिया को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि हीरापुरा पावर हाउस (कमला नेहरू नगर) पर प्राइवेट बसों के जबरन स्थानांतरण के विरोध में राजस्थान स्तर पर चक्का जाम किया गया हैं। शर्मा ने बताया कि हीरापुरा पावर हाउस पर प्राइवेट स्लीपर बसों को जबरन स्थानांतरित करने के विरोध में प्रदेशभर की सभी बस यूनियनों के सहयोग से यह चक्का जाम किया गया।

उन्होंने बताया कि आरटीओ प्रशासन की ओर से एक अगस्त से सिंधी कैंप बस स्टैंड से अजमेर रूट की सभी प्राइवेट और रोडवेज बसों को हीरापुरा शिफ्ट करने के आदेश के विरोध में एक हजार से ज्यादा स्लीपर और प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इन सभी संगठनों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे हीरापुरा से बसें नहीं चलाएंगे।

उन्होंने बताया कि इन बसों का संचालन हीरापुरा से नहीं करने पर परिवहन विभाग ने गैर कानूनी तरीके से खड़ी बसों का चालान कर हीरापुरा बस स्टैंड से इनका संचालन शुरु करने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि करीब एक हजार बसों का चालान किया गया हैं जो न्यायसंगत नहीं हैं। उन्होंने बताया कि एक अगस्त तक का भी इंतजार नहीं किया गया और इससे पहले ही निजी बसों का संचालन हीरापुरा से शुरु करने का दबाव बनाने के लिए परिवहन विभाग ने इन बसों पर चालान काटने के रुप में दमनकारी नीति अपनाकर हड़ताल पर जाने को मजबूर कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि जब तक उनकी मांग पर सकारात्मक कदम नहीं उठाया जाता है तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल के तहत जयपुर से संचालित आने जाने वाली एक हजार बसों का संचालन बंद कर दिया गया हैं। आल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर के महामंत्री प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि सिंधी कैंप से हीरापुरा की दूरी ज़्यादा होने से यात्रियों को काफी असुविधा होगी। इसके अलावा हीरापुरा में पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर, वेटिंग एरिया, पार्किंग और यात्रियों के बैठने तक की सुविधा नहीं है वहीं रात में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी नहीं है। साथ ही ओला-उबर वाले एक हजार तक वसूली करेंगे। इतना तो बस किराया नहीं होता। वहीं किसी महिला यात्री के साथ छेड़छाड़ और अनहोनी हो गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

बस ऑपरेटर्स का कहना है कि परिवहन विभाग की यह कार्यवाही एकतरफा और बिना वैकल्पिक व्यवस्था के की जा रही है। इस निर्णय में व्यवहारिकता और संवाद की पूरी तरह अनदेखी की गई है। निजी बसों की हड़ताल से आम यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा रविवार को होने वाली लाइब्रेरियन परीक्षा के 80 हजार अभ्यर्थियों के सामने संकट खड़ा हो गया है वहीं रोडवेज की मात्र 3050 बसें पूरे प्रदेश में चल रही हैं जो यात्री भार उठाने के लिए नाकाफी है।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को प्रतिष्ठित 'संसद रत्न अवार्ड' मिला

- राज्यसभा की ओवरऑल कैटेगरी में प्रभावशाली योगदान और सक्रिय भूमिका के लिए सांसद मदन राठौड़ को दिया गया संसद रत्न अवार्ड

जयपुर। देश की संसदीय प्रणाली को सशक्त बनाने में विशिष्ट योगदान देने वाले राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को इस वर्ष का ''संसद रत्न अवार्ड'' प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें संसद में उनके उत्कृष्ट कार्य, जनहित के मुद्दों पर सक्रियता और विधायी योगदान के लिए दिया गया। ''संसद रत्न अवार्ड'' देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उत्कृष्ट संसदीय प्रदर्शन को मान्यता देने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू (बीच में) ने मदन राठौड़ (बांये) को सम्मानित किया ।

यह पुरस्कार प्रतिष्ठित पार्लियामेंट्री रिसर्च संस्था प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से प्रारंभ किया गया था। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने संसद के सत्रों में लगातार उपस्थिति, प्रभावशाली बहसों, प्रश्नों और जनहित याचिकाओं के माध्यम से अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दों को संसद में उठाया, जिससे आम जन की समस्याओं को राष्ट्रीय मंच मिला।

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन नई दिल्ली के न्यू महाराष्ट्र सदन में आयोजित किया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को यह पुरस्कार प्रदान किया। इसमें देश भर के वरिष्ठ सांसद, नीति निर्माता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांसद मदन राठौड़ ने कहा, यह सम्मान प्रदेश की जनता की सेवा का परिणाम है। मैं सदैव जनहित और राष्ट्रहित में कार्य करता रहूंगा। यह पुरस्कार मुझे और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

पूर्व सैनिकों तक पहुंचेगी निशुल्क विधिक सहायता

जयपुर। राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण की ओर से पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों और उनके परिजनों को निशुल्क व सुलभ विधिक सहायता मुहैया कराने के लिए वीर परिवार सहायता योजना-2025 की शुरुआत की गई है। योजना को लेकर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से से राज्य सैनिक बोर्ड, जयपुर में भी विधिक सेवा क्लिनिक का शुभारंभ किया गया।

प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने बताया की योजना के तहत प्राधिकरण की ओर से प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला सैनिक बोर्ड के परिसर में विशेष विधिक सहायता क्लिनिक स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को न्याय की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। इस मौके पर प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्राधिकरण सैन्य कर्मियों और उनके परिवार के निरंतर सहयोगी रहेंगे।

तीज के अवसर पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया

जयपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 27 व 28 जुलाई की शाम 6 बजे तीज माता की सवारी निकाली जायेगी। जिसके चलते 27 व 28 जुल को यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार से रहेगी।

तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात पुराना पुलिस मुख्यालय के पीछे व जलेब चौक में से होकर सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ सकेगा। तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात आतिश मार्केट व सार्दुल सिंह की नाल की तरफ से किसी भी प्रकार के वाहन सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ जा सकेगें, तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात चीनी की बुर्ज की तरफ से किसी भी प्रकार का ट्रैफिक आतिश बाजार तथा सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ सकेगा।

तीज माता की सवारी के दौरान रामनिवास बाग चौराहा, न्यूगेट चौराहा से चौडा रास्ता में जाने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा, तीज माता की सवारी त्रिपोलिया की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को बडी चौपड से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया से निकलने के बाद चौडा रास्ता से आने चाले सामान्य यातायात को त्रिपोलिया से बडी चौपड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया गेट से बाहर आने से पूर्व छोटी चौपड से त्रिपोलिया की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को छोटी चौपड से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

संजय सर्किल, चौगान चौराहा से छोटी चौपड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा, तीज माता की सवारी चौगान चौराहा पर आने से पूर्व बारह भाईयों का चौराहा, लंगर के बालाजी, ब्रह्मपुरी बस स्टैण्ड से चौगान चौराहा की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

लाखों रुपए के गहने चुराये

जयपुर। जालूपुरा थाना इलाके में एक ज्वेलरी की दुकान में ग्राहक बनकर आया बदमाश नजर बचाकर लाखों रुपए कीमत के गहने चुरा ले गया। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में शातिर चोर की करतूत कैद मिली। पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि एमआई रोड स्थित जेएसआर ज्वेलरी दुकान में चोरी की वारदात हुई है। जहां शुक्रवार की दोपहर ज्वेलर का बेटा दुकान पर बैठा था। इस दौरान खरीदारी करने के बहाने एक व्यक्ति ग्राहक बनकर दुकान पर आया। सोने ज्वेलरी दिखाने के लिए कहा। बैग में रखी ज्वेलरी काउंटर पर रखकर दिखाई। ज्वेलरी दिखाने के दौरान बातों में उलझाकर शातिर बदमाश ने नजर बचाकर पैकेट में रखी ज्वेलरी चोरी कर ली। कुछ समय बाद पसंद नहीं आने की कहकर दुकान से चला गया। देर शाम ज्वेलरी काउंटिंग के दौरान सोने की 3 चीन, 4 मंगलसूत्र और 2 ईयर रिंग कम मिले।

जस्टिस शर्मा रालसा के कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया है।

वे अपनी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर बने रहेंगे। विधि विभाग ने सीजे केआर श्रीराम से परामर्श के बाद जस्टिस शर्मा का मनोनयन किया है।

राजस्थान आवासन मण्डल निशुल्क बांटेगा 54 हज़ार पौधे

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार की दिशा में सतत रूप से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में हरियाली तीज के उपलक्ष्य पर पूरे प्रदेश में वनमहोत्सव मनाया जा रहा है जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा रविवार को विशेष पौधारोपण एवं पौधा वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान आवासन मण्डल भी राज्यभर में पौधरोपण और पौध वितरण का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को समर्पित इस अभियान के अंतर्गत मण्डल के 26 खण्ड कार्यालयों से कुल 54,600 पौधे निशुल्क वितरित किए जाएंगे, जिससे आमजन को प्रकृति से जुड़ने का सशक्त अवसर मिलेगा।

इस विशेष अवसर पर जयपुर में भी पौध वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन रविवार सुबह 8 बजे से सिटी पार्क, मानसरोवर में किया जाएगा। इस आयोजन में आमजन, स्थानीय निवासियों, स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधे बांटना नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में स्थायी परिवर्तन लाना है। आवासन मण्डल सभी से यह अपील करता है कि वे अपने नजदीकी डिवीजनल कार्यालय से पौधा प्राप्त कर राज्य सरकार द्वारा चलाई गई इस हरित पहल का हिस्सा बनें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करें।

सघन वृक्षारोपण एवं पौधों का निशुल्क वितरण किया

जयपुर। मालवीय नगर विकास महासमिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करने के लिए मालवीय नगर के बिभिन्न सेकटर पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 100 फल एवं छायादार पौधे लगाये गये तथा 200 से अधिक छोटे एवं बड़े पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। महासमिति के अध्यक्ष आर बी अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रेरणादायी नेतृत्व में संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ते हुए प्रदेश ने 'हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान' के रूप में एक नयी हरित क्रांति का सूत्रपात किया है। कार्यक्रम के अतिथि महासमिति के मुख्य संरक्षक महेन्द्र कुमार हल्दिया एवं हरीश गुप्ता तथा क्षेत्रीय पार्षद राम प्रसाद शर्मा ने कम से कम एक पौधा प्रत्येक नागरिक को लगाने का संदेश दिया और वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने जनहित के इस कार्य को सराहनीय बताया।

मालवीय नगर के बिभिन्न सेकटर पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 100 फल एवं छायादार पौधे लगाये।

सामाजिक कार्यकर्त्ता बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न समितियों से पधारे हुए जन प्रतिनिधियों ने पोधे ले जाकर अपने अपने श्रेत्र में पौधारोपण कर इनकी देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में राजेन्द्र कुमार गुप्ता, इन्द्र मोहन अग्रवाल, उमा गोतम, सुधीर गुप्ता, जुगल किशोर अग्रवाल ने स्लोगन, गाने एवं कविताओं के माध्यम से वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को वर्षा, आक्सीजन एवं प्राणियों के जीवन के लिए उपयोगी बताया। महासमिति के महामंत्री सतीश चंद गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नन्द किशोर स्वर्णकार, सचिव मुरारी लाल गुप्ता, अनिल सकसेना, एल एन कुमावत, गोतम शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया एवं पार्क में पौधारोपण के साथ पोधे वितरित भी किये।

इस अवसर पर देवेन्द्र खन्ना, मोहन लाल चावला, तेज करण पाराशर अरुण माथुर, आर सी कटारा, पी डी अरोड़ा, बाबू लाल गुप्ता, सुदर्शन सिंह शेखावत, रजनीश अग्रवाल, राजेश खंडेलवाल, सुरेन्द्र बिन्दल, युधिष्ठिर लाल शर्मा सतीश कुमार जैन, आर के व्यास एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान की बिखरी और उपेक्षित धरोहरों को संरक्षण दिलाने की पहल

- केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखा पत्र

जयपुर। राजस्थान की पारंपरिक छतरियों, बावड़ियों, देवलियों और अन्य ऐतिहासिक स्मारकों को राजस्व रिकॉर्ड में विधिवत दर्ज कर कानूनी संरक्षण देने की मांग को लेकर सेव ऑवर हेरिटेज फाउंडेशन की ओर से उठाए गए प्रस्ताव को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है।

फाउंडेशन की इस मांग को लेकर 21 जुलाई को संस्था के चेयरमैन अरिहंत सिंह चरड़ास ने मंत्री शेखावत को पत्र भेजा था। इससे पूर्व 22 जून को हुई एक ऑनलाइन बैठक में संगठन के संयोजक हुकम सिंह पड़ासला ने यह मुद्दा मंत्री के समक्ष रखा था, जिस पर मंत्री शेखावत ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने का सुझाव दिया था।

फाउंडेशन ने अपने पत्र में बताया कि संवत 2012 (वर्ष 1955) के भूमि सेटलमेंट में राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्थित अनेक धरोहरें-जैसे छतरियां, बावड़ियां, देवलियां आदि-सामान्य खातेदारी भूमि के अंतर्गत दर्ज हो गईं, जिससे उनके संरक्षण में व्यावधान उत्पन्न हो गया है। कानूनी दर्जे के अभाव में इन स्थलों पर अतिक्रमण, क्षरण और अवैध निर्माण की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

इसी सन्दर्भ में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 25 जुलाई को मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में आग्रह किया है कि इन धरोहर स्थलों को संवत 2012 से पूर्व की स्थिति के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। पत्र में कहा गया है कि यह राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा।

अरिहंत सिंह चरड़ास ने उम्मीद जताई है कि केंद्र व राज्य स्तर पर समन्वय बनाकर राजस्थान की बिखरी और उपेक्षित धरोहरों को राजस्व अभिलेखों में स्थान दिलाया जाएगा, जिससे भविष्य की पीढ़ियों को इन विरासतों का गौरवशाली इतिहास देखने और समझने का अवसर मिल सके।

आयोग ने स्कूल की छत गिरने की घटना पर लिया संज्ञान

जयपुर । राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी गांव की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत गिरने की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव, जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक झालावाड़ को शनिवार को नोटिस जारी कर तीन दिन में पूरे मामले की जांच एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने प्रेस तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया में प्रकाशित समाचार, जिसमें राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल के भवन का एक हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मृत्यु होने एवं नौ बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने तथा कई बच्चों के मलबे में दबकर घायल होने से संबन्धित समाचार का स्वतः संज्ञान लिया है। इसमें कई बच्चे कथित रूप से अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के हैं।

आयोग ने इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है और इस संबंध में नोटिस जारी कर तीन दिन में पूरे मामले की जांच एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

डोटासरा ने सांसदों एवं विधायकों से सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए आगे आने की अपील की

जयपुर । राजस्थान में झालावाड़ जिले में पीपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की छत गिर जाने की हृदयविदारक घटना के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश के सभी सांसदों एवं विधायकों से राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाते हुए जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों के भवन एवं अन्य जन उपयोगी भवन की मरम्मत एवं उन्हें ठीक कराने के लिए आगे आने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। डोटासरा ने शनिवार को इस संबंध में एक पत्र लिखकर प्रदेश के सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधियों से यह अपील की। उन्होंने कहा ''यह वक्त पक्ष-विपक्ष का नहीं, जवाबदेही का है। आइए.. हम सब राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाएं और संवेदना से संकल्प का प्रण दोहराएं ताकि फिर किसी स्कूल से चीखें ना आएं, फिर किसी मां की गोद सूनी ना हो, फिर किसी परिवार का चिराग ना बुझे, फिर झालावाड़ जैसे हादसों की पुनरावृत्ति ना हो' उन्होंने अपील करते हुए कहा कि समस्त सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधि अपने संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों में संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) एवं विधानसभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमएलएलैड) से जर्जर स्कूल के भवनों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं जन उपयोगी भवनों की प्राथमिकता से मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यकता अनुसार राशि स्वीकृत कराने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने पत्र में लिखा कि पीपलोदी गांव की घटना हृदयविदारक है और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सब लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों में स्थित शासकीय विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र तथा अन्य जनउपयोगी भवन जो वर्तमान में अत्यंत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

मोटर साईकिल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

जयपुर। अशोक थाना पुलिस ने शातिर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार चोरी की मोटर साईकिलें बरामद की है। पुलिस न गिरफ्तार आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदातों को लेकर गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

- आरोपी के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाईकिल बरामद

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 1 अप्रेल 2023 को परिवादी मुकेश चौधरी किरण बिहार,त्रिवेणी नगर निवासी ने मामला दर्ज कराया था कि उसने अपनी अपनी मोटरसाईकिल सुदर्शनपुरा ,22 गोदाम पर खड़ी थी। जिसे कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया। मामला दर्ज कर पुलिस ने विशेष टीम की मदद से तेलीपाडा, बापू बाजार निवासी शाहरुख उर्फ बकरी (26) पुत्र नियाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार चोरी की मोटरसाईकिल बरामद की है।

परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी के 7 ठिकानों पर एसीबी का छापा

2.5 करोड़ (201 फीसदी) की संपत्ति अपनी वैध आय से अधिक अर्जित की

- एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तहत मामला दर्ज किया

जयपुर/ जालोर। राजस्थान के सिरोही जिले में कार्यरत परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी एक बार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आज सुबह माउंट आबू, जोधपुर, भीनमाल और सिरोही के सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया।

एसीबी महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो को एक गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप था कि परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी ने वाहन पंजीकरण, लाइसेंस जारी करने, गुजरात बॉर्डर पर अवैध वसूली और वाहन निरीक्षण जैसी सेवाओं के बदले नियमित रूप से रिश्वत लेकर, अपनी और अपने परिजनों के नाम पर अपार चल-अचल संपत्तियां अर्जित की हैं। इन संपत्तियों का मूल्य करोड़ों रुपये बताया गया।

एसीबी ब्यूरो की इंटेलिजेंस शाखा ने जब इस शिकायत की गोपनीय तरीके से जांच की, तो चौधरी द्वारा माउंट आबू, जोधपुर, सिरोही और भीनमाल में रिहायशी व व्यावसायिक भूखंड, मकान और कोठियों की जानकारी सामने आई। इसके बाद तथ्यों का दस्तावेजी संकलन हुआ और जांच में यह सामने आया कि आरोपी ने लगभग 2.5 करोड़ (201 फीसदी) की संपत्ति अपनी वैध आय से कहीं अधिक अर्जित की है। इसके आधार पर एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तहत मामला दर्ज कर, जयपुर के उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में, पाली-द्वितीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींव सिंह के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक टीमों के साथ आज सुबह एक साथ छापे मारे।

वहीं एसीबीको छापामारी की कार्यवाही से सुजाना राम के भीनमाल में आलीशान8000 वर्ग फीट में निर्मित शानदार कोठी, महंगे इंटीरियर के साथ 21 ब्रांडेड एसी, हाई-एंड फ्रिज, टीवी और लग्जरी फर्नीचर व संपत्ति का मूल्य कई करोड़ रुपये, तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन जारी।

वही जोधपुर में पॉश लोकेशन आशापूर्णा सिटी, पाल गांव जैसी प्रीमियम कॉलोनी में एक और आलीशान कोठी।एसीबी की टीमों द्वारा तलाशी अभियान अभी भी जारी है। जांच पूरी होने के बाद सुजानाराम चौधरी पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। साथ ही, उनके द्वारा अर्जित की गई अवैध संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

रिटायर महिला व्याख्याता को बकाया भुगतान के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हनुमानगढ़ की पीजी कॉलेज से रिटायर महिला व्याख्याता को उसका जनवरी 2016 से जुलाई 2019 तक का बकाया वेतन और समस्त सेवानिवृत्त परिलाभ तीन माह में अदा करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश कृष्णा जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि एक बार जब राज्य सरकार ने कॉलेज का अधिग्रहण कर लिया तो उस संस्था के समस्त दायित्वों की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की ही मानी जाएगी। यदि राज्य सरकार यह मानती है कि कॉलेज का अधिग्रहण साल 2020 में हुआ था तब भी 70 फीसदी देनदारी राज्य सरकार की बनती है और वह शेष तीस फीसदी कॉलेज की प्रबंध समिति से वसूल सकती है।

याचिका में अधिवक्ता सार्थक रस्तोगी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता हनुमानगढ के अनुदानित कॉलेज में राजनीति विज्ञान के व्याख्याता के तौर पर साल 1983 में नियुक्त हुई थी। उस समय वह अनुदानित कॉलेज था और राज्य सरकार से 70 फीसदी अनुदान प्राप्त करता था। वहीं साल 2013 में कॉलेज को राज्य सरकार ने अधिगृहित कर लिया।

25 हजार का इनामी तस्कर सागर धाकड़ गिरफ्तार

जयपुर । पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए भीलवाड़ा पुलिस द्वारा 8 अगस्त 2024 को मांडल में जब्त किए गए भारी मात्रा में डोडा चूरा के मामले से जुड़े 25 हजार के इनामी तस्कर सागर धाकड़ को गिरफ्तार कर लिया है। सागर धाकड़ करीब एक साल से फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। आखिरकार एजीटीएफ की विशेष टीम के हत्थे चढ़ गया।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने डोडा चूरा के मामले से जुड़े 25 हजार के इनामी तस्कर सागर धाकड़ को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि गत वर्ष 8 अगस्त को मांडल पुलिस थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक क्रेटा कार से 81.400 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा जब्त किया था। इस कार्रवाई में मौके से गंगानगर निवासी सुखभाल सिंह और प्रकट सिंह नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की शुरुआती जाँच में यह बात सामने आई कि यह मादक पदार्थ एक बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा है और इसमें सागर धाकड़ की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। धाकड़ पर आरोप था कि वह नागौर जिले में कई स्थानीय तस्करों को बेंगू थाना क्षेत्र से डोडा चूरा की सप्लाई करता था।

एडीजी एमएन ने बताया कि सागर धाकड़ बेहद शातिर अपराधी था। वह अपने पास कोई मोबाइल नहीं रखता था और घर के बजाय अधिकतर दूर खेतों में ही सोता था, ताकि पुलिस की पकड़ में न आ सके। एजीटीएफ की टीम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में पिछले करीब दो महीने से सागर की तलाश में जुटी थी।

पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित टीम सदस्य कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह को सटीक सूचना मिली कि सागर धाकड़ भीलवाड़ा के मांडलगढ़ इलाके में लाड़पुरा चौराहे के पास अपने किसी साथी का इंतजार कर रहा है। सूचना पर टीम ने तुरंत कार्रवाई की।

अवैध बजरी भरे चार ट्रैक्टर-ट्रॉली व दो ट्रेलर जब्त, वाहन चालक गिरफ्तार

पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मचा

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र में भीलवाड़ा पुलिस की स्पेशल टीम ने शनिवार को प्रात: सड़क पर खुलेआम दौड़ रहे बजरी माफ़िया के बिना नम्बरी अवैध बजरी भरे आधा दर्जन वाहनों को जब्त कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मच गया और सड़क पर अवैध बजरी भरे दौड़ रहे अन्य वाहन भूमिगत हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है।

मांडलगढ़ पुलिस ने जब्त किए बिना नम्बरी अवैध बजरी भरे वाहनों को थाने में खड़ा करवाया।

- जब्त आधा दर्जन वाहनों के खिलाफ मामला दर्ज कर ड्राइवरों को गिरफ्तार किया

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मांडलगढ़ में डीएसटी प्रभारी कालूराम धायल ने एनएच 27 पर बीगोद और मांडलगढ़ में फर्जी रवन्ना से बजरी भरे दो ट्रेलर को जब्त किया है, वहीं लाडपुरा के पास अवैध बजरी भरे बिना नम्बरी चार ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

मांडलगढ़ थानाधिकारी शंकर सिंह ने बताया कि जब्त एक ट्रेलर और चार ट्रैक्टर-ट्रॉली के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। वहीं बीगोद में सड़क पर जा रहे बजरी भरे ट्रेलर को रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ट्रेलर को लोडियान गाँव की ओर भगा ले गया। आगे रेलवे की पुलिया आने से और पुलिस टीम के पीछा करने ट्रेलर पकड़ में आ गया। बीगोद थाना पुलिस ने ट्रेलर को फर्जी रवन्ना से अवैध बजरी परिवहन करने के मामले में प्रकरण दर्ज कर चालक को गिरफ्तार किया है।

खनिज विभाग द्वारा अवैध बजरी परिवहन के मामले में मांडलगढ़ ओर बीगोद में पकड़े गए दोनों ट्रेलर की जाँच की तो रवन्ना फर्जी पाया गया हैं। दोनों ट्रेलर रामनगर (बीगोद) के बताए जा रहे है। और लम्बे समय से बनास नदी से अवैध खनन की बजरी परिवहन कर रहे थे। जानकारी में आया कि पूर्व में भी खनिज विभाग और पुलिस ने दोनों ट्रेलर के खिलाफ कार्रवाई की थी। लेकिन इस बार पुलिस में प्रकरण दर्ज होने से जुर्माना राशि निर्धारित से अधिकगुणा वसूली की कार्रवाई की जा सकती हैं। इस मामले में खनिज विभाग के साथ परिवहन विभाग को भी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया हैं। ट्रेलर में बजरी ओवरलोड हैं या नहीं इसकी जांच परिवहन विभाग करेगा। वहीं जिस स्टॉक पर अवैध बजरी परिवहन कर खाली की जा रही थी, स्टॉक मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

"एरिया डोमिनेशन अभियान" के तहत आठ जने गिरफ्तार

विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई की।

पावटा, (निसं)। विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 6 गिरफ्तारी वारंटी, 1 अभियुक्त को आर्म्स एक्ट व 2 अभियुक्तों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपर विजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीमो द्वारा कार्रवाई करते हुए वांछित 6 गिरफ्तारी वारंटी राधेश्याम पुत्र परसाराम निवासी बड़ा कांकराणा विराटनगर, महावीर पुत्र परसाराम निवासी बड़ा कांकराणा विराटनगर, कुबेरराज उर्फ गिरधारी पुत्र हनुमान सहाय निवासी पौधेश्वर मंदिर के पास मैड विराटनगर, ओमप्रकाश पुत्र कैलाश निवासी सर की ढाणी मैड विराटनगर, प्रभुदयाल पुत्र मूलचंद निवासी सर की ढाणी मैड विराटनगर, उमराव पुत्र प्रभाती निवासी वार्ड नं. 2 सेवरा की ढाणी विराटनगर को गिरफ्तार किया गया।

वहीं ग्राम कुकडेला अभियुक्त इंद्राज पुत्र नारायण निवासी कुकडेला विराटनगर के कब्जे से बिना लाइसेंस के अवैध हथियार एक तलवार जप्त कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। वहीं नवरंगपुरा तन बिलवाडी में सार्वजनिक स्थान आत्मादास मंदिर के पास एक चबूतरे पर ताशपत्ती पर रुपए दाव पर लगाकर जुआ खेलते पाए जाने पर मंगलराम पुत्र भैरूराम निवासी भामोद विराटनगर, कैलाश पुत्र हरसहाय निवासी कुकडेला विराटनगर के कब्जे से जुआ राशि जप्त कर मामला दर्ज कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

अजमेर : कारगिल विजय दिवस के मौके पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा बजरंगगढ़ स्थित विजय स्मारक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अतिथि सेवानिवृत्त कमौडोर अंशुमान दत्त, सेवानिवृत्त कैप्टन अशोक तिवारी, सेवानिवृत्त कमांडर जे.एस. राजावत एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आलोक कुमार साह ने शहीदों को नमन करते हुए पुष्पचक्र और श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आलोक कुमार साह ने बताया कि भारतीय सेना ने विषम और विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और देश प्रेम का परिचय दिया था। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अजमेर के सदस्यों एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालय व रैक्सकों के स्टाफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई एवं स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

लावारिस हालत में जिंदा नवजात शिशु मिला

बोरावड़, (निसं)। बोरावड़ कस्बे में शनिवार को सुबह लावारिस हालत में एक जिंदा नवजात शिशु मिला, जो स्वस्थ है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने अजमेर रैफर किया है। जानकारी के अनुसार शहर के गणेश डूंगरी क्षेत्र में सुबह-सुबह लोग टहल रहे थे। इस दौरान एक नवजात शिशु के रोने की आवाज लोगों को सुनाई दी, जिस पर लोगों ने पास जाकर देखा तो कपड़े व पॉलीथिन में लिपटा हुआ एक नवजात शिशु था, जिसके ऊपर एक बड़ा सा पत्थर डालकर कोई उसे छोड़कर चला गया। मौके पर काफी लोग इकट्ठा हो गए और उन्होंने मकराना पुलिस व बोरावड़ के राजकीय चिकित्सालय प्रभारी डॉ. सुनील कुमार विश्नोई को सूचना दी, जिस पर डॉक्टर सुनील कुमार विश्नोई व पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अपने कब्जे में लिया और चिकित्सालय ले जाकर प्राथमिक उपचार दिया गया। डॉ. विश्नोई ने बताया कि नवजात एकदम स्वस्थ है, जिसे उपचार हेतु अजमेर रेफर किया गया है।

डेंटल कॉलेज के छात्रों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

छात्रा को सुसाइड के लिये प्रेरित करने के दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर में प्राइवेट डेंटल कॉलेज की बीडीएस फाइनल ईयर की छात्रा के सुसाइड करने के मामले में शनिवार को दूसरे दिन भी स्टूडेंट्स ने कलेक्ट्रेट के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स ने दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की।

- स्टूडेंट्स ने दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की

मामले के अनुसार भीलों का बेदला स्थित पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिसर में संचालित डेंटल कॉलेज की छात्रा श्वेता सिंह (25) ने गुरुवार रात सुसाइड कर लिया था। वह जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थी। उनके पिता, चचेरे भाई, मामा उदयपुर शव लेने पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस को लिखित में शिकायत दी है। पुलिस इसमें सख्त कार्रवाई करें और हमें एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराए। इधर कलेक्ट्रेट के बाहर पहुंचे स्टूडेंटस ने नारेबाजी करते हुए श्वेता सिंह को न्याय दिलाने की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए श्ववेता के चचेरे भाई शशिकांत ने गंभीर आरोप लगाए है। उसमें भगवत और नैनी पर कई आरोप लगाए और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की बात लिखी गई है। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस को लिखित में शिकायत दी है दोनों को गिरफ्तार की जाए, एफआईआर की कॉपी हमें दी जाए।

मामले को लेकर मृतक श्वेता सिंह के पिता बलवंत सिंह ने सुखेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें बीएनएस की धारा 108 के तहत सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। इसमें विशेष रूप से कॉलेज एडमिन स्टाफ भगवत उर्फ भगवान सिंह और माही उर्फ नैनी जैन के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दी गई है। पिता ने रिपोर्ट में बताया कि बेटी ने सुसाइड नोट में इन दोनों द्वारा बार-बार टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। उसकी मौत के लिए कॉलेज स्टाफ जिम्मेदार है। इधर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतका का पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन अपने गावं रवाना हो गये।

गंभीर नदी हादसा : पिता-पुत्र के शव मिले

हिंडौन सिटी, (निसं)। गंभीर नदी में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है। बुधवार को भैंस खरीदने निकले पिता-पुत्र नदी में बह गए थे। करीब 39 घंटे की रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शुक्रवार सुबह पिता राजुद्दीन का शव बरामद कर लिया गया। इससे पहले गुरुवार सुबह बेटे सोहेल (20) का शव मिल गया था। मृतक राजुद्दीन चौबे पाड़ा के तेली का नला मोहल्ले का निवासी था और सोहेल उसका इकलौता पुत्र था। जानकारी के अनुसार, दोनों बुधवार दोपहर करीब 3:20 बजे घर से भैंस खरीदने के लिए बाइक से निकले थे। लगभग 4 बजे जब वे कटकड़ की गंभीर नदी की पुलिया पार कर रहे थे, उसी दौरान पांचना बांध के दो गेट खोल दिए जाने से नदी में तेज बहाव आ गया। पुलिया पर पानी का स्तर बढ़ने से बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों नदी में बह गए।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया।

चाचा ने नाबालिग भतीजी से छेड़छाड़ की

नोखा, (निसं)। जिले के नोखा थाना में एक नाबालिग भतीजी ने अपने चाचा पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता की मां जब असम गई थी, तब लड़की अपनी दादी के साथ नोखा में रह रही थी।

- दादी के पास रह रही थी, मां के लौटने पर बताई घटना

घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता की मां वापस लौटी। उन्होंने अपनी बेटी को डरा-सहमा देखा। शुरू में लड़की ने कुछ नहीं बताया, लेकिन मां के बार-बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। पीड़िता ने बताया कि जब वह घर पर अकेली थी, तब उसका चाचा घर आया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब लड़की ने विरोध किया और शोर मचाया, तो आरोपी ने उसे और उसकी मां को जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता ने यह बात किसी को नहीं बताई। पीड़िता का आरोप है कि उसका चाचा पहले से ही उस पर गलत नजर रखता था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता की मां उसे लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सब इंस्पेक्टर राधेश्याम मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रावलिया कलां-बरवाड़ा मार्ग पर 24 घंटे में सड़क सम्पर्क बहाल हुआ

उदयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन को राहत प्रदान करने की दृष्टि से प्रदेश का प्रशासनिक अमला पूरी संवेदनशीलता के साथ मुस्तैदी से जुटा है। गोगुंदा के अवानी गांव के पास पुलिया टूटने पर 24 घंटे के भीतर सड़क सम्पर्क बहाल कर प्रशासन ने इसकी बानगी पेश की। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

- गोगुंदा के अवानी गांव के पास पुलिया टूट गई थी

गोगुंदा पंचायत समिति के रावलिया कलां से बरवाड़ा जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवानी गांव के समीप शुक्रवार को पुलिया भरभराकर गिर गयी थी, जिससे आसपास के कई गांवों का आपसी सम्पर्क टूट गया। सूचना पर जिला कलक्टर नमित मेहता मौके पर पहुंचे और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तुरंत सम्पर्क बहाली के निर्देश दिए। शनिवार प्रात:काल विभाग की टीम एक एल एंड टी, दो जेसीबी, दो डम्पर के साथ मौके पर पहुंची। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी शुभम भाईसारे ने मोर्चा सम्भाला। उनके साथ तहसीलदार, बीडीओ, पटवारी, पीडब्लूडी अधिशाषी अभियंता अनिल खींची, जेइएन भावेश सहित पूरी टीम थी। ग्रामीणों ने साथ दिया और सड़क मार्ग से गांवों की सम्पर्क बहाली में अपना योगदान दिया और देखते ही देखते समस्या का समाधान हो गया। विभाग के अभियंताओं ने ग्रामीणों के सहयोग से एक स्थान का चयन किया। यहां पर पानी की निकासी के लिए दो पंक्तियों में छह सीमेंट पाइप बिछाकर नई पुलिया बनाई गई। पाइप पर मिट्टी का भराव भरकर पुलिया को मजबूती प्रदान की गई। सांयकाल 5 बजने तक नई पुलिया तैयार कर डाउन स्ट्रीम में 150 मीटर का नया ट्रेक बनाकर वैकल्पिक मार्ग को आवागमन के लिए खोल दिया गया। पुलिया पर यातायात प्रारम्भ करने से पूर्व डम्पर एवं अन्य वाहनों को से ट्रायल लिया गया जिसके सफल होने पर आमजन के लिए यह रास्ता खोल दिया गया। पुराने टूटे पुलिया दो दोनों छोर पर अवरोधक लगाये गये हैं ताकि कोई दुर्घटना ना हो। पुरानी पुलिया के पुनर्निर्माण तक वैकल्पिक मार्ग से यातायात बहाल होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रावलिया कलां सरपंच हीरालाल और पूर्व सरपंच देवी सिंह ने प्रशासन की तत्परता एवं पीडब्लूडी टीम की कर्मठता की प्रशंसा की।

दो भाइयों को पिकअप ने कुचला, एक की मौत

दोनों भाई मजदूरी करते थे और डिवाइडर पर सो जाते थे

कोटा, (नि.स.)। कोटा के गुमानपुरा थाना इलाके में डिवाइडर पर सो रहे दो भाइयों को लोडिंग वाहन पिकअप ने कुचल दिया। इस हादसे में एक भाई की मौत हो गई व दूसरा गंभीर रुप से घायल हो गया।

- मौके से पिकअप चालक को डिटेन कर लिया

मामले में सामने आया कि दोनों भाई मजदूरी करते थे और डिवाइडर पर सो जाते थे। गुमानपुरा थाना अधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि छावनी चौराहे पर डिवाइडर पर सो रहे दो भाइयों पर लोडिंग पिकअप चढ़ गई, हादसे में कुन्हाड़ी निवासी वजीर की मौके पर मौत हो गई और हादसे में उसका बड़ा भाई अकबर गंभीर घायल हो गया, जिनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि मौके से पिकअप चालक को डिटेन कर लिया गया है मामले की जांच दुर्घटना थाना कर रहा है।

40 साल पुराने स्कूल के जर्जर भवन में चल रहा है आंगनबाड़ी केंद्र

रानीवाड़ा, (निसं)। झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से सात मासूमों की दर्दनाक मौत के बाद जहां पूरा प्रदेश सदमे में है, वहीं शिक्षा विभाग की कागजी सतर्कता की पोल खुलती नजर आ रही है। रानीवाड़ा क्षेत्र में रतनपुर के सरकारी गर्ल्स स्कूल का भयावह सच सामने आया है। यहां 1985 में बना एक 40 साल पुराना जर्जर भवन, जिसके दो कमरे पूरी तरह से खंडहर हो चुके हैं, उसमें आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है। यहां सीधे तौर पर मासूमों की जान से खिलवाड़ हो रहा है।

- सरकारी गर्ल्स स्कूल के जर्जर भवन के दो कमरे पूरी तरह से खंडहर हो चुके हैं
- इन्हीं खतरनाक कमरों में बच्चों के लिए भोजन भी पकाया जा रहा है और आंशिक रूप से वहीं वितरित भी किया जा रहा है

जानकारी के अनुसार रतनपुर के इस गर्ल्स स्कूल के जर्जर कमरों में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं, इन्हीं खतरनाक कमरों में बच्चों के लिए भोजन भी पकाया जा रहा है और आंशिक रूप से वहीं वितरित भी किया जा रहा है।

रतनपुर गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या गीता बहन ने बताया कि स्कूल में 120 बच्चियां पढ़ रही हैं। हालांकि, मुख्य स्कूल भवन का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है, लेकिन आंगनबाड़ी केंद्र इसी जर्जर ढांचे में चल रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी इस भयावह स्थिति से अवगत हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि यह भवन बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है और इसे तुरंत धराशायी कर नया भवन बनाया जाना चाहिए ताकि बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों को खतरे से मुक्त किया जा सके। यह चौंकाने वाली जानकारी रतनपुर के सजग कार्यकर्ता और समाजसेवी गणपत सिंह देवड़ा ने वीडियोग्राफी सहित उपलब्ध कराई है। उन्होंने पूरी जिम्मेदारी के साथ बताया है कि इस खतरनाक भवन की शिकायत उच्च अधिकारियों को कई बार की जा चुकी है, लेकिन नतीजा सिफर है।

खंडहर हो चुके कमरों में आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है।

कोटा के सरकारी स्कूल में प्लास्टर गिरा, आज होनी थी परीक्षा

कोटा, (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहर थाना के पीपलोदी गांव में शुक्रवार को सरकारी स्कूल की बिल्डिंग गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई और कई बच्चे घायल हो गए थे। इसके बाद अब शनिवार को कोटा के एक सरकारी स्कूल के कमरे का प्लास्टर गिर गया।

- शिक्षा विभाग के अधिकारी पहुंचे, परीक्षा में यहां बच्चों को बैठाने पर भी पाबंदी लगाई

हादसे के दौरान ये कमरा बंद था लेकिन रविवार को यहां पर परीक्षा होनी है। घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी पहुंचे। एहतियातन रविवार को होने वाली परीक्षा में यहां बच्चों को बैठाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी का कहना है कि नयापुरा बाग स्कूल में प्लास्टर गिरा है। रविवार को भर्ती परीक्षा आयोजित होनी है। ऐसे में उन चार कक्षा का उपयोग नहीं करने के लिए कहा है। दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था देख रहे हैं। जिसके तहत टीन शेड के नीचे बच्चों की परीक्षा कराई जाना तय किया गया है। दूसरी तरफ मामले की जानकारी मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी केके शर्मा और सरस्वती शर्मा सहित कई लोग मौके पर पहुंचे हैं।

कोटा में राजकीय विद्यालय का प्लास्टर गिरने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे।

यह दो मंजिला भवन है जिसमें ऊपर के फ्लोर जर्जर होने के चलते वहां पर क्लासेस नहीं लगती हैं। चार कमरे बने हुए हैं जहां पर परीक्षा रविवार को होनी थी। इनमें से एक कमरे का प्लास्टर गिर गया। हालांकि कोई नहीं होने से हताहत नहीं हुआ है। 12वीं कक्षा की छात्रा दीपिका का कहना है कि नीचे की मंजिल पर चलने वाले कमरों में भी छत की कंक्रीट के साथ सरिया नजर आ रहे हैं। वहां भी प्लास्टर गिरता है। हमारे कमरे में भी कभी-कभी प्लास्टर गिर जाता है। बच्चों और बालिकाओं को एडजस्ट करके बैठने को कहा गया है।

स्कूल की प्रभारी सपना चतुर्वेदी का कहना है कि घटनाक्रम के संबंध में प्रिंसिपल ने उन्हें वीडियो भेजा था। जिसके बाद वो आई हैं। इस पूरे मामले में उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया है।

मुझे लगा कि गिल पहले टेस्ट से लेकर इस टेस्ट तक बहुत अच्छा कर रहे है। मेरे हिसाब से कोई भी जन्म से ही कप्तान नहीं होता। वह शानदार कर रहे है। वह जो चाहते है, उसके प्रति आश्वस्त दिख रहे है। - पार्थिव पटेल

पूर्व भारतीय विकेटकीपर, शुभमन गिल की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

कोहली को छोड़कर बाकी तीनों टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा हैं। कोहली ने इसी साल टेस्ट से संन्यास लिया था। एक वक्त था, जब कोहली तीनों प्रारूपों में राज करते थे, लेकिन पिछले पांच वर्षों में इस प्रारूप में उनके फॉर्म में गिरावट आई। वहीं, इन पांच वर्षों में रूट एक महान टेस्ट बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। पिछले कुछ वर्षों में फैब फोर में शामिल चारों बल्लेबाजों ने दुनिया भर में अपने प्रदर्शन से खूब नाम कमाया। रूट, विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और केन विलियम्सन की। पूर्व क्रिकेटरों के बीच इनमें से सर्वश्रेष्ठ चुनने की होड़ लगी होती है। कोहली को छोड़कर बाकी तीनों टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा हैं।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड ने 669 रन बनाने के साथ ही कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इसके लिए उन्होंने 91 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा।

आज से 23वीं राजस्थान स्टेट शॉटगन प्रतियोगिता का आगाज़

जयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान राईफल एसोसिएशन को आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि कल 27 से 23वीं राजस्थान स्टेट शॉटगन प्रतियोगिता प्रारम्भ हो रही है। स्कीट, ट्रैप एवं डबल ट्रैप की स्पर्धाओं में राज्य भर से लगभग 300 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राज्य के कई नामचिन महिला एवं पुरूष खिलाड़ी जैसे-दर्शना राठौड़, कार्तिकी सिंह शक्तावत, संयोगिता शेखावत, अली अमन ईलाही, अनुष्का सिंह भाटी, हर्षवर्धन सिंह काव्या, मानवीय सोनी, उद्भव सिंह एवं विनय प्रताप सिंह इत्यादि एवं साथ ही कई नये खिलाड़ी जिन्होंने इस वर्ष पहली बार शूटिंग खेल में शुरूआत की है, वे भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

सब जूनियर नेशनल तैराकी में राजस्थान के 7 खिलाड़ी

जयपुर, 26 जुलाई। बेंगलुरु में 4 और 5 अगस्त को होने वाली सब जूनियर नेशनल तैराकी चैंपियनशिप में राजस्थान का सात सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने शनिवार को यहां राजस्थान टीम की घोषणा की। व्यास ने बताया कि राजस्थान की सात सदस्यीय टीम में चार लड़के और चार लड़कियां शामिल हैं। राजस्थान के खिलाड़ी कुल 18 स्पर्धाओं में पदक के लिए मुकाबला करेंगे। उन्होंने बताया कि हर्ष दित्य सिंह राणावत और प्रतीक कुरिया पांच-पांच स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे, जबकि लड़कियों में अंशिका धाकड़ चार स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगी। **राजस्थान टीम : बालक वर्ग :** हर्षदित्य सिंह राणावत (100 मी. बैकस्ट्रोक, 100, 200 और 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. एमआई), अमन सामोता (100 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक), हृदय भोजवानी (100 मी. बटरफ्लाई), प्रतीक कुरिया (100, 200, 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. आईएम, 100 मी. बटरफ्लाई)। **बालिका वर्ग :** अंशिका धाकड़ (100, 200, 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. इंडिविजुअल मेडले), आराध्या व्यास (100 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक), अश्विका चौधरी (100 मी. बैकस्ट्रोक)।

पीजीटीआई के 2025 सीजन के दूसरे भाग का कार्यक्रम घोषित

नई दिल्ली, 26 जुलाई । 2025 सीजन के एक्शन से भरपूर और बेहद प्रतिस्पर्धी पहले भाग के बाद, प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) एक परिवर्तनकारी दूसरे भाग के लिए तैयार है, जिसमें महत्वपूर्ण नए सहयोगों की घोषणा की जाएगी और मौजूदा सहयोगों को और मजबूत किया जाएगा जो देश भर में इस खेल के विकास को तेज गति प्रदान करने का वादा करते हैं। वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में एक अग्रणी शक्ति और एक विविध एवं एकीकृत ऊर्जा प्रमुख, इंडियन ऑयल, पीजीटीआई के सबसे लंबे समय तक चलने वाले आयोजन, इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स का संरक्षक रहा है, जो इस वर्ष के अंत में अपनी रजत जयंती मनाएगा। इंडियनऑयल इस वर्ष पीजीटीआई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए कई आयोजनों में अपना सहयोग बढ़ा रहा है। पीजीटीआई की इस बढ़त को नया टूर पार्टनर - अमूल, दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य और डेयरी ब्रांड है और अपने 36 लाख किसानों के साथ, अमूल दुनिया की सबसे बड़ी किसान-स्वामित्व वाली डेयरी सहकारी संस्था भी है। भारत में एक जाना-माना नाम होने के नाते, अमूल, पीजीटीआई की ब्रांड उपस्थिति को देश भर में बढ़ाने में टूर पार्टनर के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कोल इंडिया लिमिटेड, 1 करोड़ रुपये के पहले आयोजन, कोल इंडिया ओपन को अपना नाम देगा। अहमदाबाद के केंसविले गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 5 से 8 अगस्त तक आयोजित होने वाला सीजन का दूसरा भाग है।

राहुल 87 और गिल 78 रन बनाकर नॉटआउट

गिल-राहुल के संघर्ष से भारत वापसी की राह पर, भारत 174/2, 137 रन पीछे

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। ओपनर केएल राहुल (नाबाद 87) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 78) की जबरदस्त पारियों तथा उनके बीच तीसरे विकेट के लिए 174 रन की साहसिक अविजित साझेदारी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को दो विकेट पर 174 रन बना लिए हैं। भारत अभी इंग्लैंड की पहली पारी की 311 रन की बढ़त से 137 रन पीछे है और भारत को मैच बचाने के लिए कल पूरा दिन सुरक्षित निकालना है।

क्या ही कहा जाए इन दो बल्लेबाजों के बारे में। 60 ओवर खेल गए हैं ये दोनों बल्लेबाज। भारत ने दूसरे सेशन में 85 और तीसरे में 88 रन बनाए हैं, वह भी बिना कोई विकेट गंवाए। यह लाजवाब है 174 पर दो विकेट का स्कोर। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह भी है कि भारत अभी भी 137 रनों से पीछे है। बहुत ही तगड़ा फाइटबैक दिखाया है। देखना होगा कि अब कल तीन सेशन में क्या होता है।

लंच से पहले लगे दो झटकों से भारतीय टीम सहित प्रशंसक सकते में आ गए थे, लेकिन कप्तान गिल और केएल

राहुल ने संयम से भरी बल्लेबाजी करते हुए अगले दो सत्र में भारत को कोई झटका नहीं लगने दिया है। दोनों बल्लेबाजों ने जुझारू प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक लगा दिए हैं और इस सीरीज में गिल ने जब भी अर्धशतक लगाया है उसको शतक में तब्दील किया है। राहुल ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए 210 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 87 रन बनाये हैं जबकि गिल ने 167 गेंदों में नाबाद 78 रन में दस चौके लगाए हैं। इससे पहले रवींद्र जडेजा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने लंच से पहले इंग्लैंड को 669 के स्कोर पर समेट दिया। हालांकि इंग्लैंड ने कप्तान बेन स्टोक्स (141) के शतकीय प्रहार की बदौलत 311 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त ले ली है। इंग्लैंड के कल के सात विकेट पर 544 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में जसप्रीत बुमराह ने लियाम डॉसन (26) को बोल्ड कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ब्रायडन कार्स ने कप्तान स्टोक्स का बखूबी साथ निभाया। इसी दौरान स्टोक्स ने सिराज की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। बेन स्टोक्स ने 37 पारियों बाद टेस्ट में शतक लगाया है। वह एक टेस्ट में शतक बनाने और पांच विकेट लेने वाले पांचवें कप्तान है। दोनों बल्लेबाजों के बीच नौवें विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी हुई।

स्टोक्स रवींद्र जडेजा की गेंद को स्वीप करने के प्रयास में लांग ऑन बाउंड्री पर साई सुदर्शन के हाथों लपके गये। स्टोक्स ने 198 गेंदों मे 141 रनों की पारी खेली। इसके बाद जडेजा ने कार्स को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच आउट कराकर लंच से पहले इंग्लैंड की पहली पारी का 669 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत की ओर से भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने चार विकेट लिये। वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को दो- दो विकेट मिले। अंशुल कम्बोज और मोहम्मद सिराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंग्लैंड ने तोड़ा मैनचेस्टर में 61 साल पुराना रिकॉर्ड

भारत के खिलाफ 11 साल बाद बने 600 रन

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। मैनचेस्टर टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 669 रन पर समाप्त हुई। भारत ने पहली पारी में 358 रन बनाए थे। इस तरह इंग्लिश टीम को 311 रन की बढ़त हासिल हुई। भारत के खिलाफ किसी टीम ने 2014 के बाद पहली बार टेस्ट की एक पारी में 600 से ज्यादा रन बनाए हैं। इससे पहले 2014 में वेलिंग्टन में न्यूजीलैंड ने ऐसा किया था। तब ब्रैंडन मैकुलम ने 302 रन की पारी खेली थी। यह भारत के खिलाफ इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। 2011 में एजबेस्टन में इंग्लिश टीम ने सात विकेट गंवाकर 710 रन बनाए थे और पारी घोषित की थी। तब एलिस्टेयर कुक ने 294 रन बनाए थे।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा : इंग्लैंड ने 669 रन बनाने के साथ ही कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। यह मैनचेस्टर में एक पारी में इंग्लैंड का सर्वोच्च स्कोर है। इसके लिए उन्होंने 91 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने 1934 में यहां 627 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड ने मैनचेस्टर में टेस्ट में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इस मामले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने 1964 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में आठ विकेट पर 656 रन बनाए थे।इस तरह इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का 61 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भारत के नाम अनचाहा रिकॉर्ड : टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सिर्फ सातवीं बार, किसी टीम ने पहले गेंदबाजी करते हुए 350 से ज्यादा रन देने के बाद पहली पारी में 300 से ज्यादा रन की बढ़त हासिल की है। यह इंग्लैंड के लिए पहली बार है। टेस्ट की पहली पारी में 350 से ज्यादा रन देने के बाद उनकी पिछली सबसे बड़ी बढ़त पिछले साल मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ 267 रन की थी (556 रनों के जवाब में 823/7 विकेट)। वहीं, बुमराह ने इस टेस्ट की पहली पारी में दो विकेट लिए। उन्होंने ईशांत शर्मा की बराबरी कर ली और इंग्लैंड में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। दोनों के इंग्लिश सरजमीं पर 51-51 विकेट हैं।

बुमराह ने पहली बार 100 + रन खर्च किए : इस पारी में चार भारतीय गेंदबाजों ने 100 से ज्यादा रन दिए। टेस्ट मैचों में भारत के लिए ऐसा 25वीं बार हुआ है। इससे पहले ऐसा एक दशक से भी ज्यादा समय पहले हुआ था। 2014/15 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में लगातार तीन टेस्ट मैचों में भारत के चार गेंदबाजों ने 100 से ज्यादा रन खर्च किए थे।बुमराह ने मैनचेस्टर टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान 100 से ज्यादा रन दिए। पहली बार टेस्ट में बुमराह ने एक पारी में 100 रन खर्च किए।

बुमराह टेस्ट से संन्यास ले सकते हैं : मो. कैफ

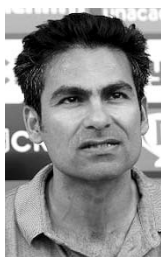

नई दिल्ली, 26 जुलाई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया और बुमराह की फिटनेस पर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन भी संन्यास ले चुके हैं। और अब लगता है, बुमराह की बारी है। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को शायद इसकी आदत डालनी होगी।

मेरा मानना है कि अब आपको बुमराह के बिना टेस्ट मैच देखने की आदत डालनी होगी। मुझे उम्मीद है और दुआ है कि मैं गलत हूं। लेकिन इस टेस्ट में मैंने जो देखा, उससे ऐसा लग रहा है कि वह बिल्कुल भी आनंद नहीं ले रहे हैं। वह अपने शरीर से लड़ाई हार गए हैं। जोश और जुनून तो वही है, लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा है। और ऐसी स्थिति में आप क्या कर सकते हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के बाद जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अगले क्रिकेटर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के नंबर एक गेंदबाज का शरीर साथ नहीं दे रहा। 31 वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट के तीसरे दिन लय में नहीं दिखे और 28 ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जैमी स्मिथ का एकमात्र विकेट लिया। कैफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया और बुमराह की फिटनेस पर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें।

सेमीफाइनल में हारी सात्विक और चिराग की जोड़ी

चांगझोउ(चीन), 26 जुलाई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 चाइना ओपन 2025 में अभियान शनिवार को पुरुष युगल सेमीफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का चाइना ओपन में दमदार अभियान सेमीफाइनल में दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से 18-21, 15-21 से हार के साथ समाप्त हो गया। हार के बावजूद, भारतीय जोड़ी ने अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन से प्रभावित किया और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर इवेंट्स में सीजन के अपने चौथे सेमीफाइनल में जगह बनायी। इससे पहले वे भारत, सिंगापुर और मलेशिया ओपन में सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

बेन स्टोक्स बतौर कप्तान एक मैच में शतक और फाइफर लेने वाले पहले अंग्रेज

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के लिए मैनचेस्टर टेस्ट अब तक शानदार रहा है। उन्होंने मैच के चौथे दिन शतक लगाकर कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। पारी के 146वें ओवर में स्टोक्स ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर चौका लगाकर टेस्ट करियर का 14वां शतक पूरा किया। जो रूट के बाद इस टेस्ट में वह शतक लगाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी रहे।

स्टोक्स ने 164 गेंद में शतक पूरा किया। इस दौरान उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर भी जाना पड़ा।वोक्स के आउट होने पर वह मैदान पर आए और बेहतरीन शतक पूरा किया। बतौर खिलाड़ी एक ही टेस्ट में शतक और फाइफर की उपलब्धि हासिल करने वाले वह इंग्लैंड के चौथे क्रिकेटर बने। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाए और भारत पर 311 रन की बढ़त हासिल की।

इससे पहले भारत की पहली पारी के दौरान उन्होंने पांच विकेट भी लिए थे।स्टोक्स महान सर गैरी सोबर्स और जैक कैलिस की सूची में शामिल हो गए। वहीं, बतौर कप्तान उन्होंने कुछ ऐसा किया, जो आज तक कोई और अंग्रेज खिलाड़ी नहीं कर पाया था।इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669। भारत की पहली पारी 358 रन पर समाप्त हुई थी। ऐसे में इंग्लैंड को 311 रन की बढ़त मिली। स्टोक्स ने 198 गेंद में 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से 141 रन की पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका को तीन रन से हराकर न्यूजीलैंड ने जीता त्रिकोणीय श्रृंखला का खिताब

हरारे, 26 जुलाई। डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र (47-47) रनों की शानदार पारियों के बाद आखिरी ओवर में मैट हेनरी (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने शनिवार को टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को तीन रन से हराकर खिताब अपने नाम किया।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए लुआन-ड्रे प्रेटोरियस और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 92 रन जोड़े। 10वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने लुआन ड्रे प्रेटोरियस को टिम सीफर्ट के हाथों स्टंप आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। लुआन ड्रे प्रेटोरियस ने 35 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से (51) रनों की पारी खेली।

13वें ओवर में जैकरी फॉक्स ने रीजा हेंड्रिक्स 31 गेंदों में (37) को अपना शिकार बना लिया। हेंड्रिक्स ने अपनी पारी में चार छक्के लगाये। 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान रासी वान डेर डुसेन (18) को एडम मिल्ने ने आउटकर न्यूजीलैंड को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में जेकब डफी ने रूबिन हरमन (11) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों को झटका दिया। मैच के आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर मैट हेनरी ने डेवाल्ड ब्रेविस 16 गेंदों में (31) को आउट कर एक बार फिर से मैच को न्यूजीलैंड के पक्ष में कर दिया। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर हेनरी ने जॉर्ज लिंडे (10) को आउट कर मैच को और रोमांचक बना दिया। मैच की आखिरी गेंद पर चार रन की दरकार थी और हेनरी ने उसे खाली निकाल कर न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका पर तीन रनों से रोमांचक जीत दिला दी। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 177 रन ही बना सकी।

न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 19 रन देकर दो विकेट लिये। जेकब डफी, जैकरी फॉक्स,मिल्नेऔर माइकल ब्रेसवेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम सीफर्ट और डेवोन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। नौवें ओवर में सेनुरन मुथुसामी ने टिम सीफर्ट (30) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 12वें ओवर में लुंगी एन्गिडी ने कॉन्वे को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। कॉन्वे ने 31 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से (47) रनों की पारी खेली। मार्क चैपमैन (तीन) भी लुंगी एन्गिडी का शिकार बने। रचिन रविंद्र ने 27 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (47) रन बनाये। माइकल ब्रेसवेल 15 रन बनाकर पांचवें विकेट के रूप में आउट किये।

परनीत ने जीता महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक

एसेन (जर्मनी), 26 जुलाई। भारतीय महिला तीरंदाज परनीत कौर ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। आज यहां खेले गये रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत की परनीत कौर को दक्षिण कोरिया की मून यीउन से 146-147 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

शिलांग लाजोंग एफसी ने डूरंड कप अभियान की धमाकेदार शुरुआत की

शिलांग, 26 जुलाई। शिलॉन्ग लाजोंग एफसी ने 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप के ग्रुप ई के उद्घाटन मुकाबले में मलेशिया की आर्म्ड फोर्सेज फुटबॉल टीम (एटीएम एफटी) को 6-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। एवरब्राइटसन साना और फ्रांगकी बुआम ने दो-दो गोल किए, जबकि ट्रेइमिकी लामुरोंग और देइबोरमेमे टोंगपर ने एक-एक गोल कर टीम की शानदार जीत में योगदान दिया। शिलॉन्ग लाजोंग के कोच बीरेन्द्र थापा ने युवा खिलाड़ियों के साथ 4-3-3 फॉर्मेशन में टीम उतारी।

14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

यूएई में 9 से 28 सितंबर तक खेला जायेगा एशिया कप

लाहौर 26 जुलाई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नौ से 28 सितंबर तक टी-20 प्रारुप में एशिया कप खेला जायेगा।

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चीफ मोहसिन नकवी ने सोशल मीडिया मंच पर यह जानकारी साझा की। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। यह संस्करण टी-20 प्रारुप में खेला जाएगा। एसीसी के पांच पूर्ण सदस्य (भारत, अफगानिस्तान, बंगलादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका) के अलावा यूएई, ओमान और हांगकांग टूर्नामेंट में स्पर्धा करेंगे।

गुरुवार को ढ़ाका में हुई एसीसी की वार्षिक बैठक में एशिया कप ही अहम मुद्दा था। मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य झड़प के बाद टूर्नामेंट के 17वें संस्करण का भाग्य अनिश्चितता में पड़ गया था।

भारत इस प्रतियोगिता का मेजबान है लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच हुए समझौते के बाद इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है। अगले तीन सालों तक जिस प्रतियोगिता में भारत और पाकिस्तान दोनों शामिल रहेंगे, उसे तटस्थ्य स्थान पर कराने का समझौता दोनों बोर्ड के बीच हुआ है। यह करार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ठीक पहले हुए था, जिसके बाद भारत ने अपने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे जिसमें मेज़बान पाकिस्तान के खिलाफ भी एक मैच शामिल था। दुबई में खेला गया प्रतियोगिता का फाइनल भारत ने जीता था।

अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में होंगे या नहीं। जैसा कि पिछले एक दशक से अधिक समय से होता आ रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि ऐसा हो सकता है। इससे टूर्नामेंट का अब तक का सबसे आर्थिक रूप से लाभदायक मुकाबला तय हो जाएगा। एशिया कप के प्रारूप का मतलब है कि एक ही ग्रुप में होने से भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम दो मुकाबले होने की संभावना है, और अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो तीन ऐसे मुकाबले होने की संभावना बनी रहती है।

तेजस्वी गहलोत बने के.आई.यू. गेम्स 2025 के तकनीकी संचालन समिति के सह-अध्यक्ष

जयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत को आगामी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 की गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी का सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नामांकन भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा, खेलो इंडिया इवेंट्स के अनुरोध पर किया गया है।

इस आशय का आधिकारिक पत्र भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डॉ. पी.टी. उषा द्वारा जारी किया गया, जिसमें श्री गेहलोत की खेल प्रशासन, तकनीकी दक्षता एवं आयोजन क्षमता की सराहना की गई है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन इस बार राजस्थान में 15 से 25 अक्टूबर 2025 तक होगा। यह राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि पहली बार इतने बड़े स्तर का विश्वविद्यालय स्तरीय खेल आयोजन राजस्थान को मिला है। देशभर

के विश्वविद्यालयों से हज़ारों छात्र-खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। नई दिल्ली में आयोजित भारतीय ओलंपिक संघ की बैठक में, तेजस्वी सिंह गहलोत ने डॉ. पी.टी. उषा को एक और ऐतिहासिक निर्णय के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने उन्हें 3 एशियन यूथ गेम्स2025, बहरीन में, 19 से 23 अक्टूबर 2025 तक होने वाले आयोजन में पहली बार कबड्डी को शामिल करवाने के लिए शुभकामनाएं एवं धन्यवाद दिया।

गहलोत ने कहा कि कबड्डी का एशियन यूथ गेम्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर शामिल होना भारतीय संस्कृति और खेल परंपरा की एक बड़ी जीत है। यह निर्णय युवा खिलाड़ियों के लिए नई प्रेरणा और अवसर लेकर आएगा। इसके लिए मैं डॉ. पी.टी. उषा का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ।

एक ओर राजस्थान में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन, दूसरी ओर कबड्डी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा - राजस्थान और देश दोनों के लिए गर्व की बात है।

पुरुष एकल जयपुर के मनीष फोगाट व महिला एकल में सुहासी वर्मा को प्रथम वरीयता

जयपुर, 26 जुलाई। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम पर चल रही राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में आज क्वालीफाइंग राउंड के मैच पूरे हुए पुरुष एकल में 25 खिलाड़ी, मिक्स्ड डबल्स में 6 जोड़ी, गर्ल्स सिंगल्स में 16 खिलाड़ी बॉयज डबल्स में 16 खिलाड़ी की जोड़ी तथा गर्ल्स डबल्स में चार खिलाड़ियों की जोड़ी नाम में राउंड में प्रवेश किया।

आज खेले गए क्वालीफाई मैच में जयपुर के पीयूष पूनिया ने 43 मिनट चला संघर्ष में उदयपुर के यथेष्ट चावत को तीन गेमों में 15 - 10, 13 -15,15- 7 से हरा मेंन राउंड में प्रवेश किया एक अन्य संघर्ष मैच में जयपुर के दिनेश चौधरी ने बीकानेर के दक्ष सेठिया को 13-15 ,15-7,15 -4 से हरा मेन राउंड में प्रवेश किया लड़कों के अंदर-19 बॉयज

सिंगल्स में बीकानेर के लविश मलिक ने हनुमानगढ़ के राघव राठी को तीन गेमों में 13-15, 19- 17, 15 -8 से परास्त कर मेन राउंड में प्रवेश किया।

बॉयज डबल्स अंदर 19 के क्वालीफाई राउंड में हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर की जोड़ी सचिन चौधरी और सहज ने उदयपुर की जोड़ी लविराज सिंह और यजत शर्मा को तीन गेमों में काफी संघर्ष के बाद 15- 8 ,13 -15 ,15- 11 से परास्त किया वहीं जयपुर की जोड़ी रुद्राक्ष मीठा और श्रेयांश चौधरी ने हनुमानगढ़ व भरतपुर की जोड़ी राघव राठी व तन्मय शर्मा को तीन गेम में 15-9,15-9,15 -8 से हराया। गर्ल्स डबल्स अंदर-19 में उदयपुर की जोड़ी गौरी शर्मा और परिधि सोलंकी ने जयपुर की जोड़ी पूर्वी सिहाग और राशिका यादव को तीन गेम जो कि लगभग 45 मिनट चले उसमें 15-7, 14 -16 और 20 -18 से हरा मेंन राउंड में प्रवेश किया। महिला एकल में जयपुर की देशना जैन ने जोधपुर की मनस्वी स्वामी को 15- 8 ,15- 11 आसन खेलों में हराया।

ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री मनोज दासोत के अनुसार मेन राउंड के मैच कल से खेले जाएंगे पुरुष एकल में जयपुर के मनीष फोगट को प्रथम वरीयता तथा बीकानेर के जागृत बीनानी को द्वितीय वरीयता दी गई है महिला एकल में भारतीय टीम से खेल चुकी जयपुर की सुहासी वर्मा को प्रथम वरीयता तथा जयपुर की ही सौम्या भटनागर को द्वितीय वरीयता दी गई है पुरुष युगल में जयपुर व टोंक की जोड़ी आर्यन त्यागी मुरली शर्मा को प्रथम वरीयता तथा जयपुर की जोड़ी अंगद खन्ना व अंश कटरा को द्वितीय वरीयता दी गई है।

सभी विधायक जर्जर स्कूल भवनों के लिए एमएलए फंड से राशि दे सकेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पिपलोदी हादसे के बाद विधायकों की राशि के उपयोग में परिवर्तन किया

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के राजकीय विद्यालय में हुई हृदय विदारक घटना को संज्ञान में लेते हुए, जीर्ण-क्षीर्ण, मरम्मत योग्य राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत इन संस्थानों और भवनों की मरम्मत हेतु अनुमत राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय किया है।

इसी प्रकार, अब विधायक भी स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत किसी भी योजना से निर्मित राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि की अनुशंसा कर सकेंगे।

भजनलाल शर्मा

पूर्व में एमएलए-लेड में निर्मित भवनों की मरम्मत का कार्य ही इस कोष से करवाया जा सकता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों से पुराने और जर्जर सरकारी स्कूलों के भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए प्राथमिकता से राशि की अनुशंसा करने का आग्रह किया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में बिना भवन के विद्यालयों और जर्जर विद्यालयों की जगह नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए 375 करोड़ रूपये का प्रावधान किया था। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को भी 3 करोड़ रुपये मरम्मत कार्यों के लिए दिए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत, सरकारी स्कूलों, राजकीय संस्थानों और आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत कार्य करवाए जा सकेंगे।

■ पहले विधायक अपने स्थानीय क्षेत्र विकास फंड से निर्मित स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए ही अनुशंसा कर सकते थे। अब वे किसी भी योजना के तहत बने राजकीय संस्थानों, विद्यालयों व आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक करके जिला कलैक्टरों एवं संबंधित विभागों को स्कूलों, अस्पतालों सहित सभी सरकारी इमारतों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, विशेषज्ञों की एक समिति गठित कर 5 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया।

प्र.मंत्री मोदी मालदीव से सीधे तमिलनाडु पहुंचे

चेन्नई, 26 जुलाई। ब्रिटेन और मालदीव की अपनी यात्रा से लौटने के बाद, प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु पहुंचे। वे तूतीकोरिन में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने यहां 4800 करोड़ रु. से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। वहीं, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं। पीएम मोदी रविवार को तिरुचिरापल्ली के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में दोपहर 12 बजे महान चोल सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम के जयंती समारोह और आदि तिरुवथिरा उत्सव में भाग लेंगे।

■ आज प्र.मंत्री चोल सम्राट राजेन्द्र चोल की जयंती के समारोह में भाग लेंगे।

पीएम मोदी कार्यालय आधिकारिक बयान के अनुसार, मालदीव की राजकीय यात्रा के बाद प्रधानमंत्री सीधे तूतीकोरिन पहुंचे। यहां उन्होंने कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। ये परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, रसद दक्षता, स्वच्छ ऊर्जा ढांचे और तमिलनाडु के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगीं। प्रधानमंत्री ने विश्वस्तरीय हवाई अड्डा ढ ांचे के विकास और कनेक्टिविटी बढ़ ाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, तूतीकोरिन हवाई अड्डे पर 450 करोड़ रु. की लागत से निर्मित नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

चैतन्य बघेल से मिलने सैंट्रल जेल पहुंचे सचिन पायलट

सचिन पायलट ने कहा भाजपा व ईडी जानबूझकर कांग्रेस को टारगैट कर रहे हैं

रायपुर, 26 जुलाई। कांग्रेस संगठन के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ही हमारे नेतृत्व को कमजोर करने का काम और हमें अलग करने का काम कर रहे हैं।

शराब घोटाले मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश का सियासी पारा गरम है। इस विषय पर जहां कांग्रेस ने पहले चक्का-जाम किया, वहीं अब पायलट शनिवार को खास तौर पर जेल में बंद चैतन्य बघेल और पूर्व मंत्री कवासी लखमा से मिलने सेंट्रल जेल रायपुर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने जेल परिसर में जाकर चैतन्य और पूर्व मंत्री कवासी लखमा से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान उन्होंने जेल में ही अधिकारियों को कहा कि इन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और स्वास्थ्य परीक्षण समय समय पर होता रहना चाहिए।

जेल परिसर से बाहर आने के बाद पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ईडी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सोनिया गांधी जी, सभी लोगों को अलग करने की कोशिश की है तथा देश का ध्यान डायवर्ट करने की, चरित्र हनन करने की कोशिश की गई है। भ्रष्टाचार का नाम लेकर वैचारिक विरोध करने वाले लोगों पर वो आक्रमण कर रहे हैं। आज मैं चैतन्य बघेल से मिला हूं, कवासी लखमा से मिला हूं। इन सभी को इसलिए टारगेट किया जा रहा है, क्योंकि ये मुखर होकर उनका विरोध करते हैं, जो प्रदेश की जल जंगल और जमीन को बेचना चाहते हैं। आप सरकार का विरोध करो उद्योगपतियों का विरोध करो, ये आप पर जरूर कार्रवाई करेंगें, हमें न्यायालय पर पूरा भरोसा है। हम मजबूती से लड़ते रहेंगें। कांग्रेस एक है और राजनीतिक संघर्ष करती रहेगी।

■ कांग्रेस महासचिव और छत्तीसगढ़ के प्रभारी पायलट ने कहा कि बघेल व अन्य कांग्रेसी नेताओं को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे प्रदेश के जंगल बचाना चाहते हैं।

जेल में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है, लखमा जी का स्वास्थ्य खराब रहता है, मैंने अधिकारियों से आग्रह किया है कि उनको समय पर दवा मिलती रहे और जांच होती रहे। चैतन्य बघेल से मिला, उनके चेहरे पर मुस्कान थी। उसने कहा, मैं डरने वाला नहीं हूं भाजपा कितना भी कुछ भी कर ले हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगें।

गौरतलब है कि ईडी ने हाल ही में शराब घोटाले के मामले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। फिलहाल चैतन्य रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं।

गमगीन माहौल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने झालावाड़ अस्पताल में भर्ती घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी, वहीं मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। प्रमोद जैन भाया ने कहा कि मृतकों को एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब प्लेन क्रैश के पीड़ितों को एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जा सकता है तो इस हादसे के शिकार बच्चों को भी एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह हादसा उस हादसे से कम नहीं है।

खड़गे, सोनिया ने कारगिल नायकों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 1999 के करगिल युद्ध के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को बरसो तक 'भारत के इतिहास में वीरता का स्वर्णिम अध्याय' बताया जो पीढ़ि यों को प्रेरित करता रहेगा।

■ सोनिया गांधी ने कारगिल युद्ध को 'भारत के इतिहास में वीरता का स्वर्णिम अध्याय' बताया।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, करगिल विजय दिवस पर हम अपने सशस्त्र बलों के बहादुर सैनिकों, पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों और सभी साथी भारतीयों को हार्दिक बधाई देते हैं। हम अपने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन और सलाम करते हैं जिन्होंने करगिल युद्ध में हमारी मातृभूमि की बहादुरी से रक्षा की। उनका अदम्य साहस और वीरता हमेशा पीढ़ि यों को प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर गांधी ने कहा इस करगिल विजय दिवस पर हम अपने वीर सैनिकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हैं जिन्होंने भारत के इतिहास में वीरता का एक स्वर्णिम अध्याय अंकित किया।

गया में होम गार्ड में भर्ती होने आई युवती से गैंगरेप

ड्राइवर व टेक्नीशियन ने अस्पताल ले जाते समय एम्बूलेंस में यह दुष्कर्म किया

गया, 26 जुलाई। बिहार के गयाजी में होमगार्ड भर्ती के लिए आई, लड़की (26) के साथ एंबुलेंस में गैंपरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को ड्राइवर और टेक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़िता को चुप रहने की धमकी दी थी। घटना 24 जुलाई (गुरुवार) की है। इसका खुलासा शुक्रवार देर रात हुआ। लड़की बीएमपी-3 के मैदान में होमगार्ड भर्ती के लिए पहुंची थी। फिजिकल टैस्ट के दौरान दौड़ते समय बेहोश होकर गिर गई। मौके पर मौजूद एंबुलेंस से उसे अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक, चलती एंबुलेंस में पहले टेक्नीशियन ने रेप किया, फिर गाड़ी सुनसान जगह पर रोककर ड्राइवर ने दरिंदगी की। पीड़िता ने अस्पताल पहुंचकर महिला डॉक्टर को पूरी कहानी बताई, जिसके बाद पुलिस ने एक्शन लिया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया, फिजिकल टेस्ट के दौरान मैं चक्कर खाकर गिर गई थी। थोड़ी देर मुझे वहीं बैठाया गया। ग्राउंड में मौजूद एंबुलेंस बुलाई गई। एंबुलेंस के ड्राइवर और टेक्नीशियन ने मुझे अंदर बैठाया। भर्ती ग्राउंड से मुख्य मार्ग डोभी-पटना पर एंबुलेंस पहुंची, तो एंबुलेंस स्टाफ ने गाड़ी रोककर मेरा एडमिट कार्ड गले से निकाल लिया।

■ पीड़ित युवती फिज़िकल टेस्ट में दौड़ते समय बेहोश हो गई थी। मौके पर मौजूद एम्बूलेंस में उसे अस्पताल भेजा गया। चलती गाड़ी में तथा सुनसान जगह एम्बूलेंस रोक कर युवती के साथ दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया, दोनों आरोपियों ने गेट पर खड़े लोगों से पूछताछ की कि क्या मेरा कोई जानने वाला है, लेकिन जब कोई परिचित नहीं मिला, तो एंबुलेंस अस्पताल के लिए रवाना हो गई। रास्ते में टेक्नीशियन ने इलाज के बहाने गलत हरकत शुरू कर दी। टेक्नीशियन ने मेरे चेहरे पर स्प्रे मारा, जिससे मैं पूरी तरह बेहोश हो गई। मुझे थोड़ी आवाजें सुनाई दे रही थीं। इसी दौरान, चलती एंबुलेंस में टेक्नीशियन ने दुष्कर्म किया।

सिकरिया मोड़ पर दुष्कर्म के बाद दोनों आरोपियों ने पीड़िता को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक इलाज के दौरान जब युवती को होश आया, तो उसे महसूस हुआ कि उसके साथ गलत हुआ है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सोमवार को सुनवाई होगी सुप्रीम कोर्ट में

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। उच्चतम न्यायालय बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सोमवार को सुनवायी करेगा। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ चुनाव आयोग के जवाब और याचिकाकर्ताओं के जवाबी हलफनामों पर विचार करेगी। अदालत ने कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से दायर याचिकाओं पर 10 जुलाई को आयोग को नोटिस जारी किया था। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने उन याचिकाओं पर कोई अंतरिम स्थगन आदेश जारी न करते हुये चुनाव आयोग को 21 जुलाई या उससे पहले अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही, आयोग से कहा था कि वह मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र को स्वीकार्य दस्तावेजों के रूप में अनुमति देने पर विचार करे। अदालती आदेश पर चुनाव आयोग ने 21 जुलाई को 88 पन्नों का एक हलफनामा दाखिल किया, जिसमें उसने आधार कार्ड और राशन कार्ड को 11 दस्तावेजों की सूची से बाहर रखने का बचाव करते हुए कहा है कि यह अनुच्छेद 326 के तहत मतदाता की पात्रता की जांच में मदद नहीं करता है।

■ चुनाव आयोग के हलफनामे पर याचिकाकर्ता भी अपना जवाब दाखिल कर चुके हैं।

राहुल ने प्रणीति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शामिल होने को कहा।

राहुल गांधी नई कांग्रेस बनाने की कोशिश के तहत, ऐसे नए और युवा चेहरों को अहम पदों पर ला रहे हैं, जिनका राजनीतिक अनुभव न के बराबर है। स्क्रीनिंग कमेटी में ऐसे ही कुछ युवा सदस्य हैं, जैसे कि प्रणीति शिंदे, जो पहली बार सांसद बनी हैं और वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे की बेटी हैं।

एक और सदस्य हैं इमरान प्रतापगढ़ी, जो मूल रूप से शायर हैं और गांधी परिवार की तारीफ करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे ही तीसरे सदस्य हैं कुणाल चौधरी, जो मध्य प्रदेश से विधायक हैं और जीतू पटवारी के करीबी माने जाते हैं।

राहुल गांधी नई कांग्रेस बनाने के लिए युवाओं को आगे ला रहे हैं, लेकिन वे शायद यह भूल रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम से मुकाबला करने के लिए अनुभव भी जरूरी है।

17 सांसदों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भर्तृहरि महताब, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल के सांसद एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना सांसद श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। संसद रत्न पुरस्कार पाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरन महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) भी शामिल हैं।

क्या हाई कोर्ट के दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति यादव से स्पष्टीकरण मांगा था और उनके बयान को संवैधानिक आचरण और गरिमा का उल्लंघन बताया था।

कानूनी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एक साथ उच्च न्यायालयों के दो सेवारत न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई की पहल, एक सत्तारूढ़ दल द्वारा और दूसरी विपक्ष द्वारा, संसद को एक और राजनीतिक एवं प्रक्रिया संबंधी गतिरोध में धकेल सकती है। संसदीय प्रक्रियाओं के जानकार एक वरिष्ठ विधि विशेषज्ञ ने कहा, "अगर न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ प्रस्ताव को अस्वीकार किया जाता है और न्यायमूर्ति वर्मा पर कार्रवाई आगे बढ़ती है, तो इससे राजनीतिक पक्षपात की धारणा और मजबूत, तथा सत्ता एवं विपक्ष के बीच की दरार और चौड़ी एवं गहरी हो सकती है।

इन घटनाओं का समय भी बेहद संवेदनशील है, क्योंकि सोमवार से 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा शुरू होने जा रही है, जिसने पहले ही राजनीतिक मतभेदों को तीखा बना दिया है। पिछले सप्ताह सदन में व्याप्त अवरोध से बचने के लिए, मोदी सरकार पर्दे के पीछे संवाद स्थापित करने की कोशिश में जुटी है, जिससे पूरा विधायी काम-काज ठप हो जाने की स्थिति न बने।

इस बीच, भाजपा के अंदर भी न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर मतभेद सामने आए हैं। पार्टी नेतृत्व का एक वर्ग इस बात को लेकर चिन्तित बताया जा रहा है कि यह कदम उल्टा भी पड़ सकता है, खासतौर से इसलिये कि विपक्ष बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहा है। इंडिया गठबंधन पहले से ही इस मामले को मोदी सरकार की "तानाशाही प्रवृत्ति" और न्यायपालिका की मुखरता को लेकर उसकी "बेचैनी" के प्रमाण के रूप में पेश कर रहा है।

संसद पर नज़र रखने वालों का मानना है कि आने वाला सप्ताह बेहद उथल-पुथल भरा हो सकता है क्योंकि इस बात की संभावना है कि एक साथ दो प्रस्ताव पेश किए जाएं, वॉकआउट हों और तीखी बहसें हों। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति के लिए यह संतुलन साधने का नाज़ुक समय होगा, क्योंकि संसद के पटल पर एक बार फिर संवैधानिक जवाबदेही और राजनीतिक प्रतिशोध की रेखाएं धुंधली होती जा रही हैं।

बिहार में सरकार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

अपनी पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने पत्रकारों के लिए सुविधाओं का ध्यान रखा है, ताकि वे स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें और सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवन जी सकें।

हजार साल ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसे एक व्यापक, राजनैतिक और भारत में इस्लाम के आगमन से पूर्व के गौरव पर आधारित सभ्यतागत दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

राजा राजेन्द्र चोल को गंगा से लेकर स्वर्णद्वीप (दक्षिण-पूर्व एशिया के द्वीपों के लिए प्रयुक्त प्राचीन नाम) तक के साहसी अभियानों के लिए जाना जाता है, जिन्होंने चोल-शासन को एक अखिल एशियाई समुद्री साम्राज्य में बदल दिया। 1025 ई. में उन्होंने श्रीविजय साम्राज्य (वर्तमान मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड) के विरुद्ध एक समुद्री अभियान शुरू किया, जो समुद्री प्रभुत्व और प्रतिष्ठा का प्रतीक था।

उन्होंने उत्तरी भारत में भी सफल अभियानों का नेतृत्व किया और गंगा जल लाकर गंगईकोंडा चोलपुरम की स्थापना की थी।

लालू के पुत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीली टोपी पहने नजर आए। इससे पहले वे हरी टोपी पहना करते थे। जब पत्रकारों ने इसको लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने बताया कि टीम तेजप्रताप यादव के झंडे में पीला और हरा दोनों रंग हैं।

एयर पोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तलाशी ली। अब पुलिस प्रशासन और एटीएस धमकी भरा ईमेल भेजने वालों का पता लगाने में जुटे हैं। एयर पोर्ट को बम से उड़ाने का ई-मेल मिलते ही सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्यूरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) ने एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी, सर्च ऑपरेशन के तहत एयरपोर्ट बिल्डिंग, एप्रन एरिया, पार्किंग स्थल और अन्य सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों की गहन तलाशी ली गई, पर किसी भी तरह का विस्फोटक बरामद नहीं हुआ है। एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही जारी है।

मेल में तमिलनाडु सरकार को लेकर आरोप लगाए गए हैं।

हमारे बहादुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया। मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने का उनका जुनून हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। जय हिंद!

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908